मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 7 जुलाई 2026
संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 08 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 293, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ छात्रवृत्ति योजनाओं का कम उपयोग चिंता का विषय
वेलकम टू द जंगल के लिए अक्षय कुमार ने नहीं लिया फीस ◂◂ 6


# 2008 सीरियल ब्लास्ट : गुजरात हाईकोर्ट ने 38 दोषियों की फांसी और 11 की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी

**अहमदाबाद ।** गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने 38 दोषियों की फांसी की सजा और 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा की पुष्टि करते हुए सजा के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति अल्पेश वाई। कोग्जे और न्यायमूर्ति समीर जे। दवे की खंडपीठ ने विशेष अदालत के फरवरी 2022 के फैसले को बरकरार रखा। इस फैसले में भारत के सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक में भूमिका निभाने वाले 49 लोगों को दोषी ठहराया गया था। मौजूदा कानूनों के तहत निचली अदालत द्वारा सुनाई गई हर फांसी की सजा को लागू करने से पहले हाई कोर्ट की पुष्टि जरूरी होती है।

हाईकोर्ट ने सिलसिलेवार बम धमाकों में मारे गए 56 लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।

फैसले के बाद जारी आदेश के विवरण के अनुसार, अदालत ने हमलों में घायल हुए 200 से अधिक लोगों को 1-1 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।

यह मामला 26 जुलाई 2008 की शाम अहमदाबाद में किए गए समन्वित बम धमाकों से जुड़ा है। उस दिन करीब 70 मिनट के भीतर 21 धमाके हुए थे। ये धमाके बसों, सार्वजनिक स्थानों और उन दो अस्पतालों में किए गए थे, जहां पहले हुए धमाकों के पीड़ितों को इलाज के लिए ले जाया गया था।

इन हमलों में 56 लोगों की मौत हुई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसके बाद यह देश की सबसे बड़ी आतंकवाद जांचों में से एक बन गई। विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने 35 एफआईआर दर्ज कीं और सैकड़ों आरोपपत्र दाखिल किए।

मामले की सुनवाई के दौरान विशेष अदालत के सामने 1,100 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए गए और हजारों दस्तावेजी व भौतिक साक्ष्य पेश किए गए। फरवरी 2022 में विशेष अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए 49 आरोपियों को दोषी ठहराया और 28 अन्य को बरी कर दिया।

दोषी ठहराए गए 49 लोगों में से 38 को फांसी की सजा सुनाई गई थी, जबकि 11 दोषियों को उनके प्राकृतिक जीवन के शेष समय तक जेल में रहने की सजा दी गई थी।

विशेष अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों ने गुजरात हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती दी थी, जबकि राज्य सरकार ने फांसी की सजाओं की पुष्टि के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट ने लंबे समय तक इस मामले की सुनवाई की और मंगलवार को अपना फैसला सुनाया।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद विशेष अदालत द्वारा दी गई दोषसिद्धि और सजाएं बरकरार रहेंगी। दोषियों के पास अब इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का कानूनी अधिकार मौजूद है।

## पारा शिक्षक के रूप में दी गई संविदा सेवा को भी पेंशन योग्य सेवा माना जाएगा

**रांची :** झारखंड हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त पारा शिक्षकों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि नियमित नियुक्ति से पहले पारा शिक्षक के रूप में दी गई संविदा सेवा को भी पेंशन योग्य सेवा माना जाएगा। न्यायाधीश दीपक रोशन की एकल पीठ ने 44 सेवानिवृत्त इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों की याचिका स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पारा शिक्षक के रूप में उनकी प्रारंभिक नियुक्ति की तिथि से सेवा की गणना कर सभी पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ दिए जाएं। साथ ही, यह पूरी प्रक्रिया आदेश की प्रति प्राप्त होने के आठ सप्ताह के भीतर पूरी करने और सेवानिवृत्ति की तिथि से वास्तविक भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज देने का भी निर्देश दिया।

**शिक्षकों ने पहले कई वर्षों तक पारा शिक्षक के रूप में लगातार सेवा दी :** कोर्ट ने कहा कि इन शिक्षकों ने पहले कई वर्षों तक पारा शिक्षक के रूप में लगातार सेवा दी और बाद में चयन प्रक्रिया के माध्यम से उसी शिक्षा विभाग में नियमित इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक बने। ऐसे में उनकी संविदा सेवा को पेंशन से बाहर रखना अनुचित और भेदभावपूर्ण होगा। अदालत ने अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय के प्रेम सिंह , शीला देवी और एसडी ज्याप्रकाश मामलों के निर्णयों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि नियमित नियुक्ति से पूर्व की संविदा/अस्थायी सेवा भी पेंशन के लिए जोड़ी जानी चाहिए, यदि कर्मचारी बाद में नियमित सरकारी सेवा में आ गया हो। मामले में प्रार्थी का पक्ष वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार,अधिवक्ता तान्या सिंह,अधिवक्ता कुशल कुमार, अधिवक्ता अभिषेक अभि एवं अमित कुमार ने मजबूती से रखा।

## पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव ईडी दफ्तर पहुंचे, शराब घोटाले के सिलसिले में होगी पूछताछ

**रांची:** झारखंड में हुए शराब घोटाला मामले में जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव मंगलवार को पेश हुए। ईडी के दूसरे समन के बाद पूर्व मंत्री तय समय पर रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के जोनल कार्यालय पहुंचे। जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी। ईडी ने इससे पहले रोहित उरांव को 29 जून और रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, दोनों निर्धारित तारीख पर पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ईडी से तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा था।

**दूसरा समन पर पहुंचे ईडी कार्यालय :** दोनों के अनुरोध पर विचार करने के बाद ईडी ने तीन सप्ताह की बजाय एक सप्ताह का समय दिया। इसके बाद रोहित उरांव को 6 जुलाई और रामेश्वर उरांव को 7 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का दूसरा समन जारी किया गया। छह जुलाई को रोहित ईडी के सामने उपस्थित हुए थे। अब 7 जुलाई को पूर्व मंत्री खुद ईडी के सवालों का जवाब देने के लिए ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। बता दें कि ईडी योगेंद्र तिवारी से जुड़े कथित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में यह पूछताछ कर रही है। इसी मामले में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को दोबारा समन भेजकर रांची स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था।

**गवाह बाहर कुछ नहीं बोलता:** रामेश्वर उरांव पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने ईडी दफ्तर के बाहर पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं 25 साल पुलिस में रहा हूं। कोई भी गवाह बाहर बयान नहीं देता है, हमें जो भी कहना है, हम अंदर कहेंगे।

## मैहर में ट्रक के पीछे से टकराई कार, पांच की मौत

**मैहर।** मध्य प्रदेश के मैहर जिले में रविवार- सोमवार की दरमियानी रात को एक बड़ा हादसा हो गया। आगे चल रहे ट्रक के पीछे से कार घुस गई और कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई है। यह सभी लोग जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात को नादन ग्रामीण थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे क्रमांक 30 पर एक कार से सवार छह लोग जो कि अमरपाटन निवासी बताए जा रहे हैं। कार सवार जन्मदिन की पार्टी मनाकर लौट रहे थे इसी दौरान तेज बारिश और रफ्तार तेज होने के चलते कार आगे चल रहे ट्रक के पीछे से घुस गई। कार बुरी तरह ट्रक के पीछे फंस गई थी और कार में सवार लोगों को बाहर निकालना मुश्किल हो गया था। बताया गया है कि जब यह हादसा हुआ तब सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने की हरसंभव कोशिश की।

## एनएच-220 पर भीषण हादसा: हाइवा-ट्रेलर की टक्कर के बाद लगी आग, दो चालक जिंदा जले

**सरायकेला-खरसावां :** राजनगर-चाईबासा एनएच-220 पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो चालकों की जिंदा जलकर मौत हो गई। रोला-खैरबनी मोड़ के पास करीब एक बजे हाइवा और ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों वाहन देखते ही देखते आग के गोले में बदल गए।

हादसे में ट्रेलर चालक की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दूसरे चालक को गंभीर हालत में बाहर निकालकर चाईबासा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद पीछे से आ रहे दो अन्य ट्रेलर भी आपस में भिड़ गए और सड़क किनारे खेत में पलट गए। इस दुर्घटना में दोनों ट्रेलर चालक घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है। हादसे में कुल चार भारी वाहन प्रभावित हुए, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जल चुके थे। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने ठ्ल-220 को शीघ्र फोरलेन बनाने की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और संकरी सड़क के कारण इस मार्ग पर आए दिन गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क चौड़ीकरण और स्थायी सड़क सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

## दिल्ली रिज को बनाया जाएगा राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' : अमित शाह

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के महत्वाकांक्षी 70 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में बड़ी संख्या में कांटेदार बबूल और कई तरह के ऐसे पेड़ हैं, जो देखने में हरियाली का अहसास तो कराते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए उतने लाभदायक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू कर रही है। गृह मंत्री ने बताया कि 1994 में भारतीय वन अधिनियम के तहत 7,784 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को अधिसूचित किया गया था, लेकिन पिछले 30 वर्षों में इसकी अंतिम अधिसूचना जारी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इसके संरक्षण की दिशा में अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अमित शाह ने रेखा गुप्ता सरकार की सराहना करते हुए कहा कि अब 5,000 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही पूरे रिज क्षेत्र को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इसके जरिए रिज की जैव विविधता को

पुनर्जीवित, मिट्टी और जल संसाधनों का संरक्षण तथा दिल्ली के पर्यावरण को नई ऊर्जा और नया जीवन देने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में पूरे रिज क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से पीपल, बरगद, नीम, गूलर, अर्जुन और जामुन जैसे ऐसे पेड़ लगाए जाएंगे, जो 100 वर्ष से अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी के साथ दिल्ली रिज को राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' के रूप में विकसित करने का मिशन शुरू हो गया है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भी जमकर सराहना की। उन्होंने इसे देश में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बेहद प्रेरणादायक और अनूठा प्रयास बताया।

इस अभियान में नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) भी अहम भूमिका निभा रही है। एनडीएमसी ने इस अभियान के तहत करीब 600 पेड़ और 50 हजार झाड़ियां लगाने का लक्ष्य रखा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ₹आज दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम एक ही मंच से आयोजित किए गए हैं। इनमें नरेला में हाई सिक्योरिटी प्रिजन का शिलान्यास, स्वचालित वाहन टेस्टिंग सेंटर और तीन नव निर्मित डेपो का लोकार्पण किया गया। साथ ही, 300 इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन की शुरूआत भी हुई।₹

उन्होंने कहा, ₹आज दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम एक ही मंच से आयोजित किए गए हैं। इनमें नरेला में हाई सिक्योरिटी प्रिजन का शिलान्यास, स्वचालित वाहन टेस्टिंग सेंटर और तीन नव निर्मित डेपो का लोकार्पण किया गया। साथ ही, 300 इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन की शुरूआत भी हुई।

### राष्ट्रपति प्रबोवो ने की पीएम मोदी की तारीफ

## 'मैं आपकी कई योजनाओं को कॉपी करता हूं, खुशी है इस पर कॉपीराइट नहीं'

**जकार्ता :** इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज के दौरान भारत की विकास यात्रा और मोदी सरकार की नीतियों की जमकर सराहना की। उनके बयान की समारोह में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर स्वीकृति दी। राष्ट्रपति प्रबोवो ने कहा, ₹मैंने आपके राजनीतिक सफर को फॉलो किया है और आपकी कई योजनाओं की नकल भी करता हूं। अगर वही योजनाएं करोड़ों लोगों के लिए सफल रही हैं, जिनकी चुनौतियां हमारी तरह हैं, तो उन्हें अपनाने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।₹ उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया दोनों ही बड़ी आबादी, कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक आपदाओं जैसी समान चुनौतियों का सामना करते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

आगे थोड़ा मुस्कुराकर अपने अंदाज में बोले, ₹मुझे खुशी है कि आपकी योजनाओं पर कोई कॉपीराइट नहीं है। इसलिए मैं आपकी कई योजनाओं की कॉपी करता हूं। (मुस्कुराकर) हम जो अच्छा है, उसे अपनाने में बिल्कुल संकोच नहीं करते।₹ इस टिप्पणी पर पीएम मोदी संग वहां मौजूद अतिथि खिलखिलाकर हंस पड़े और हॉल तालियों से गूंज उठा।

प्रबोवो ने बताया कि हाल ही में इंडोनेशिया का एक प्रतिनिधिमंडल भारत में दो से तीन सप्ताह के अध्ययन दौरे पर आया था। इस दौरान उसने शुष्क भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने की भारतीय तकनीकों, विशेष रूप से परमाकल्चर के मॉडल का अध्ययन किया।

उन्होंने कहा, ₹हम इन तरीकों का गंभीरता से अध्ययन कर रहे हैं। हमें भारत से बहुत कुछ सीखना है और सीखने में हमें कोई संकोच नहीं है।₹

पीएम मोदी इंडो पैसिफिक मिशन के तहत सोमवार को तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर इंडोनेशिया पहुंचे। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया तो दूसरे दिन यानी मंगलवार को कई द्विपक्षीय समझौतों पर सहमति बनी। पीएम मोदी को सर्वोच्च इंडोनेशियाई सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से भी नवाजा गया।

## हाईकोर्ट का सरकार को निर्देश, रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेले को सुचारू रुप से कराएं संपन्न

**रांची :** झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को धुर्वा के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेले को सुचारु रुप से संपन्न कराने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने सरकार से कहा कि इसी माह रांची में ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेला लगने वाला है। ऐसे में मेले की सुरक्षा और श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाए। इससे पहले झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से रांची के जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर एक स्कीम प्रस्तुत के लिए कोर्ट से समय की मांग की गई। साथ ही कहा गया कि धुर्वा के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मेला 16 जुलाई से शुरू होगा। सरकार को जगन्नाथपुर मेले को लेकर समुचित व्यवस्था सुनिश्चत करने का निर्देश दिया जाए। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि जगन्नाथपुर मंदिर की सुरक्षा के लिए वहां सातों दिन 24 घंटे के लिए पुलिस में बल तैनात कर दिए गए हैं, वहां सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने पक्ष रखा। वहीं प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता वीपी सिंह ने पक्ष रखा। बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड को रांची के जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर एक स्कीम प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि झारखंड हिंदू धार्मिक ट्रस्ट बोर्ड एक्ट के सेक्शन 32 के तहत स्कीम प्रस्तुत किया जाए।

## समाचार सार

### अभाविप नगर इकाई ने नवपदस्थापित सदर थाना प्रभारी का किया स्वागत

**चतरा :** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चतरा नगर इकाई द्वारा नगर मंत्री अनुराग आर्य के नेतृत्व में नवपदस्थापित सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव का शिष्टाचार भेंट कर पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने श्री उरांव को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में चतरा में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा अपराध एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। परिषद ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा, महिला सुरक्षा तथा सामाजिक समरसता के लिए पुलिस-प्रशासन के साथ सकारात्मक समन्वय बनाए रखने का भी संकल्प व्यक्त किया।नगर मंत्री अनुराग आर्य ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव राष्ट्रहित, छात्रहित एवं समाजहित के लिए कार्य करती रही है और भविष्य में भी जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर प्रशासन के साथ रचनात्मक सहयोग करती रहेगी।इस अवसर पर खेलो भारत संयोजक मुन्ना यादववंशी, जिला संयोजक विशाल प्रजापति, पूर्व जिला संयोजक रौनक सिंह, जिला रऊऋसंयोजक सन्नी कुमार, नीतीश कुमार, अनिमेष पांडे, आलोक कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### चतरा के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने जिले का नाम किया रौशन

**चतरा :** चतरा ताइक्वांडो संघ के खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर चार पदक जीते।खिलाड़ियों को एक गोल्ड,दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज प्राप्त हुए। आपको बताते चले कि अमृत पैलेस बस स्टैंड लोहरदगा में 2 जुलाई से 4 जुलाई 2026 तक आयोजित

26 वी राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चतरा जिला के सात खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने चार पदक प्राप्त किए।निशांत कुमार सिंह को स्वर्ण पदक, दिव्यांशी को रजत पदक, संस्कार कुमार को रजत पदक और अद्विक कुमार को कांस्य पदक प्राप्त हुए। चतरा जिला की इस उपलब्धि पर जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, चतरा जिला ताइक्वांडो संघ एवं जिला ओलंपिक संघ के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण और खेल प्रेमियों ने ढेर सारी शुभकामनाएं दिया है।

### रांची समर्पण शाखा ने किया गौ सेवा

**रांची :** झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के ॠसृजन से सम्मान तक-रजत जयंती के 25 वर्षॠ अभियान के अंतर्गत जीव दया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा द्वारा शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में हरमू गौशाला न्यास में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्व. अभिषेक कुमार अग्रवाल एवं स्व. विनय कुमार जालान की पावन स्मृति को समर्पित था।

कार्यक्रम के दौरान गौ माता को हरा चारा, गुड़ एवं अन्य खाद्य सामग्री अर्पित की गई। शाखा की बहनों ने श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ गौ माता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने कहा, ॠगौ सेवा परमो धर्मः। गौ माता हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक हैं। उनकी सेवा से न केवल पुण्य मिलता है, बल्कि समाज में जीव दया का संदेश भी फैलता है।ॠ कार्यक्रम में शाखा की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और गौ सेवा के माध्यम से जीव दया का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने दी।

### पेड़ पर फंदे के सहारे लटका शव मिला

**रांची :** जिले के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित स्मार्ट सिटी परिसर में सोमवार की देर रात एक व्यक्ति का शव पेड़ पर फंदे के सहारे लटका हुआ बरामद किया गया है।

पुलिस को घटनास्थल से मृतक की ई-रिक्शा भी बरामद हुई है। इस वजह से मामला बेहद संदिग्ध माना जा रहा है। स्थानीय लोगों और पुलिस के मन में कई सवाल खड़े हो रहे हैं, क्या व्यक्ति ने आर्थिक या पारिवारिक तंगहाली के कारण आत्महत्या की है? या फिर किसी ने उसकी हत्या कर शव को आत्महत्या का रूप देने के लिए पेड़ से लटका दिया और ई-रिक्शा वहीं छोड़ दी?

मृतक की पहचान सूरज नायक के रूप में हुई है। वह सेक्टर-3 धुर्वा के थेथरकोचा का रहने वाला था। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए भी जांच की जा रही है।

#### उपायुक्त की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय की बैठक

# कृषकों को नवीन कृषि तकनीकों से जोड़ने पर दिया गया विशेष जोर

संवाददाता

**चतरा :** समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कृषकों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने तथा प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में आत्मा के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण (अंतर्राज्यीय, राज्यस्तरीय एवं जिलास्तरीय), परिभ्रमण (अंतर्राज्यीय, राज्यस्तरीय एवं जिलास्तरीय) तथा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में प्रत्यक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना एवं प्रस्तावित गतिविधियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त श्री आनंद ने निर्देश दिया कि अंतर्राज्यीय प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण के लिए ऐसे संस्थानों एवं राज्यों का चयन किया जाए, जहां की उन्नत कृषि तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी चतरा जिले के कृषकों को अब तक प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए कृषकों को प्रतिष्ठित एवं गुणवत्तापूर्ण संस्थानों में भेजा जाए, ताकि वे नई तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर जिले में उसे अपनाने के लिए प्रेरित हों।उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से समन्वय स्थापित कर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण की संभावनाओं पर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य के भीतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची सहित अन्य सरकारी कृषि संस्थानों से समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक कृषकों को लाभान्वित करने पर बल दिया।उपायुक्त ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक पद्धतियों एवं नवाचारों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का लाभ जिले के अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाया जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो तथा कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाया जा सके।बैठक में जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती ममता कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी,उप परियोजना निदेशक आत्म सहित आत्मा से जुड़े अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

### लिंगानुपात में सुधार एवं भ्रूण लिंग जांच पर रोक को लेकर जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

**चतरा :** समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त सह जिला समुचित प्राधिकारी (पीसी-पीएनडीटी) रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति (पीसी-पीएनडीटी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 (पीसी-पीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में लिंगानुपात सुधार से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक की शुरूआत पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों पर प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से संक्षिप्त जानकारी के साथ हुई। इसके उपरांत जिले के लिंगानुपात, पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के तहत निबंधित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की स्थिति, पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन, नए अल्ट्रासाउंड केंद्रों के लिए प्राप्त आवेदन तथा लाइसेंस नवीनीकरण से संबंधित मामलों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त श्री आनंद ने जिले में बिना लाइसेंस एवं अनधिकृत रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी निबंधित अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित एवं साप्ताहिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिनियम के प्रावधानों का पूर्णतः अनुपालन हो तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।बैठक में नए अल्ट्रासाउंड केंद्रों के लिए प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के सभी प्रावधानों, आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित मानकों की पूर्ण जांच एवं सत्यापन के उपरांत ही लाइसेंस निर्गत किया जाए। बैठक में बताया गया कि नए अल्ट्रासाउंड केंद्र के लिए 08 आवेदन, लाइसेंस नवीनीकरण हेतु 02 आवेदन तथा चिकित्सक परिवर्तन से संबंधित 04 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन पर समिति द्वारा नियमानुसार विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की भावना को सशक्त बनाने तथा जिले में संतुलित लिंगानुपात बनाए रखने के लिए पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी, नियमित निरीक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से अधिनियम का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. पंकज कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) श्रीमती संगीता लूसी बाला एक्का, समिति के सदस्यगण, चिकित्सा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

### सीयूजे में आईटीईपी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

**रांची :** केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के अंतर्गत बीए -बीएड एवं बीएससी-बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, एनसीईटी-2026 के संबंधित मैप्ड विषय में शामिल होने वाले, वैध एनसीईटी स्कोर प्राप्त करने वाले तथा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी ऑनलाइन पंजीकरण कर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। पंजीकरण एवं काउंसेलिंग शुल्क अनारक्षित, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 800 रुपए, एससी एवं एसटी वर्ग के लिए 400 रुपए, जबकि दिव्यांग एवं सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों के लिए 200 रुपए निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि एक बार जमा किया गया पंजीकरण शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। हालांकि, एक अभ्यर्थी द्वारा जमा किया गया शुल्क अधिकतम दो पाठ्यक्रमों में पंजीकरण के लिए मान्य होगा।

ऑनलाइन पंजीकरण का लिंक 6 से 18 जुलाई 2026 तक सक्रिय रहेगा। विश्वविद्यालय ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपना पंजीकरण पूरा कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या अन्य असुविधा से बचा जा सके।

### भूमि विवाद में लाठी डंडो से मारकर एक की हत्या

**चतरा :** जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डटमी गांव में आज तड़के करीब 5 बजे हुए भूमि विवाद में एक ही परिवार के बीच लाठी डंडे चल गए। इस घटना में कैलाश यादव(40 वर्ष) की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक हत्या आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि मृतक का उनके भाई के साथ भूमि विवाद चल रहा था।

## राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

#### उपायुक्त ने समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

**चतरा :** समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में एनएफएसएम प्लस, एफएसएम आत्मनिर्भरता इन पल्सेस,मोटा अनाज, पोषक अनाज, खाने योग्य तिलहन

एनएफएसएम चावल एवं टीआरएफए प्लस के तहत संचालित गतिविधियों, उपलब्धियों एवं व्यय की समीक्षा की गई। साथ ही वर्ष 2026-27 के लिए प्राप्त कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त श्री रवि आनंद ने संबंधित पदाधिकारियों को

निर्देश दिया कि कार्ययोजना के अनुरूप सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के अंतर्गत किए जाने वाले प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा कार्यों का समुचित अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाओं के अंतर्गत किए गए कार्यों के स्पष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण फोटोग्राफ भी संधारित किए जाएं, ताकि योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों का प्रभावी दस्तावेजीकरण हो सके।उपायुक्त ने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज एवं कृषि संसाधनों से जोड़कर कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना है। इसलिए योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र कृषकों तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष बृज बृज किशोर तिवारी, जिला कृषि पदाधिकारी गौतम कुमार, वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान, कृषि विज्ञान केंद्र, चतरा, कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन विभाग, कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

#### हंटरगंज में सुब्रतो कप अंडर-15 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांच

# कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जोरी ने जीता खिताब

संवाददाता

**चतरा :** जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित राम नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित सुब्रतो कप अंडर-15 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता रोमांच, उत्साह और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुई।प्रतियोगिता में प्रखंड के चार विद्यालयों की बालिका टीमों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान में जोश, प्रतिस्पर्धा और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला।प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार तथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संदीप कुमार ने संयुक्त रूप से फुटबॉल को किक मारकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने मैदान में उतरकर सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप ने कहा कि शिक्षा और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का भी विकास करता है। उन्होंने छात्राओं से पढ़ाई के साथ नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है।प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार ने कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने का प्रभावी मंच हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपनी प्रतिभा को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का अवसर मिलता है।

प्रतियोगिता में परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, राम नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय, पीएम श्री हाई स्कूल तेतरिया तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, जोरी की टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए पूरा दमखम दिखाया। कड़े और रोमांचक मुकाबलों के बाद कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, जोरी की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुब्रतो कप अंडर-15 बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।

समापन समारोह में विजेता टीम को बधाई देते हुए अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करती हैं। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किया जाएगा, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिले और वे जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर चतरा का नाम गौरवान्वित करें।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अनूप कुमार, पूर्व प्राचार्य उमेश कुमार, डॉ. पुरुषोत्तम कुमार सिंह, विकास कुमार, प्रियंक सिंह, महादेव महतो, उमा पांडे, मधु कौर सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, खेल प्रशिक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने रांची के खेलगांव में टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज परिसर का किया औचक निरीक्षण

# खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है : सीएम

**संवाददाता**

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के खेलगांव स्थित टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज परिसर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शूटिंग रेंज परिसर की आधारभूत संरचनाओं के रख-रखाव, शूटिंग उपकरणों, खिलाड़ियों की सुरक्षा मानक, प्रदान की जा रही खेल सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री सोरेन ने शूटिंग रेंज परिसर के रखरखाव की बदहाल स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने शूटिंग रेंज में खिलाड़ियों को दी जा रही प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता एवं खिलाड़ियों के अभ्यास की व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं का बारिकी से अवलोकन कर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर शूटिंग रेंज के

औचक निरीक्षण के दौरान शूटिंग परिसर की वर्तमान स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए चिंता जताई। मौके पर विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है। राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में यहां के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं अत्याधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शूटिंग रेंज परिसर में सभी आवश्यक सुविधाओं का आधुनिकीकरण कया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य की उभरती खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनाई जाए। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल की जाए, ताकि वे अपनी खेल प्रतिभा का पूर्ण विकास कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के साथ-साथ खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास का भी आधार है। राज्य सरकार खेल अवसंरचना के विकास, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तथा उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शूटिंग रेंज के समग्र विकास के लिए आवश्यक कार्यों की कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। राज्य में खेलों के विकास के लिए दीर्घकालिक एवं प्रभावी रणनीति के साथ कार्य किए जाएं, ताकि राज्य के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पधाओं के अनुरूप यहां के शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण का माहौल तैयार हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां का संसाधन खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के स्तर का है। निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं दुरुस्त होने से खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री सोरेन ने यहां के उपकरणों का आवश्यक सुधार करने एवं बेहतर रखरखाव का भी निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार एवं खेलकूद विभाग के सचिव मुकेश कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

## गांधी फेलोशिप के लिए चयनित सूर्य जीत घोष को किया गया सम्मानित

**रांची :** रांची विश्वविद्यालय के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम विभाग में सोमवार को सत्र 2024-26 के विद्यार्थी सूर्य जीत घोष के प्रतिष्ठित गांधी फेलोशिप में चयन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के प्राध्यापक डॉ अटल पांडेय ने कहा कि सूर्य जीत घोष का गांधी फेलोशिप के लिए चयन विभाग और विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पीरामल फाउंडेशन द्वारा संचालित गांधी फेलोशिप देश के युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने वाला एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। इस दो वर्षीय फेलोशिप के दौरान सूर्य जीत घोष विकसित भारत अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। डॉ पांडेय ने कहा कि सूर्य जीत की सफलता यह साबित करती है कि समर्पण, कठिन परिश्रम और सेवा भावना के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी उपलब्धि विभाग के अन्य विद्यार्थियों को भी समाज के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगी। विभाग की प्राध्यापिका शीरीन गुल ने कहा कि सूर्य जीत घोष ने अपने परिवार और संस्थान का नाम रोशन किया है तथा वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। प्राध्यापिका अंजलि सिंह ने उनके सफल एवं ज्ञानवर्धक फेलोशिप सफर की कामना करते हुए कहा कि वे भविष्य में देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं और समाज के लिए सकारात्मक बदलाव के वाहक बनें। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों एवं सहपाठियों ने सूर्य जीत घोष को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## रिम्स-2 के लिए अधिग्रहित भूमि पर एसटी कमीशन ने मांगी रिपोर्ट

**रांची :** राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने रांची में आयोजित दो दिवसीय बैठक के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से जुड़े 15 मामलों की सुनवाई की। इनमें रांची, पलामू, बोकारो, हजारीबाग, जामताड़ा समेत कई जिलों के मामले शामिल रहे। आयोग ने सभी मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की। आयोग की सदस्य आशा लकडा ने सोमवार को संवाददाता सम्मलेन में यह जानकारी दी। आयोग ने रिम्स-2 परियोजना के लिए अधिग्रहित करीब 222 एकड़ भूमि से जुड़े मामले की सुनवाई की गई। आयोग ने जिला प्रशासन से यह जानकारी मांगी है कि कितनी भूमि का अधिग्रहण किया गया, प्रभावित रैयतों को कितना मुआवजा दिया गया और पूरी प्रक्रिया किस प्रकार पूरी की गई। आयोग ने कहा कि मांगे गए दस्तावेज निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराए जाएं।बैठक में आयोग ने कहा कि जब तक मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती और सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा दिए जाते, तब तक रिम्स-2 परियोजना से संबंधित किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जाए। आयोग का कहना है कि रिम्स-2 का निर्माण होना चाहिए, लेकिन यदि उपजाऊ कृषि भूमि पर विवाद है तो वैकल्पिक स्थानों पर भी विचार किया जाना चाहिए। आयोग ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार केवल रांची तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि गुमला, चैनपुर, डुमरी जैसे क्षेत्रों में भी बड़े स्वास्थ्य संस्थानों की आवश्यकता है। आयोग ने बोकारो में सीसीएल, वन विभाग और जिला प्रशासन से जुड़े कथित लाखों पेड़ों की कटाई के मामले की भी सुनवाई की। आरोप है कि ग्रामसभा की वैध अनुमति के बिना पेड़ काटे गए। आयोग को जिला प्रशासन की ओर से रिपोर्ट सौंपी गई, लेकिन आयोग ने रिपोर्ट पर संतोष नहीं जताते हुए तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका की भी जांच के निर्देश दिए हैं।आयोग ने कहा कि बोकारो मामले में जब तक पूरी जांच पूरी नहीं हो जाती और सभी तथ्यों की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक संबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का आगे का कार्य नहीं किया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने बताया कि रांची सहित विभिन्न जिलों में जमीन विवाद से जुड़े कई मामलों में सकारात्मक प्रगति हुई है। कई मामलों में पीड़ितों को राहत मिली है।

## एचईसी के पुनरुद्धार के लिए करेंगे हर संभव प्रयास : सुखदेव भगत

**संवाददाता**

**रांची :** एचईसी के श्रमिक संगठनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत के साथ बैठक कर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का अनुरोध किया।

एचईसी परिसर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवासीय कार्यालय पर हुई इस बैठक में श्री भगत ने कहा कि केंद्र की भाजपानीत सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देश के लगभग सभी सार्वजनिक उपक्रमों की स्थिति बदहाल है। संसद के आगामी सत्र में एचईसी के पुनरुद्धार का मुद्दा जोर-जोर से उठाया जाएगा। उन्होंने श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यथाशीघ्र एचईसी के कर्मियों के बकाए वेतन भुगतान और कारखाने के जीर्णोद्धार को लेकर कांग्रेस पार्टी के सांसदों द्वारा भी संसद में आवाज उठाई जाएगी। श्री भगत ने कहा कि देश के कई सार्वजनिक उपक्रम केंद्र की भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण रुग्णवस्था में है। राष्ट्र की धरोहर एचईसी मदर इंडस्ट्री है, इसे हर हाल में बचाना होगा।

एचईसी को निजी क्षेत्र में देने की भाजपा की मंशा सफल नहीं होने देंगे। श्रमिक नेताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। बैठक में शामिल श्री सहाय ने कहा कि एचईसी कारखाना राष्ट्र की धरोहर है। इसके अस्तित्व को बचाना चुनौती है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार एक-एक कर सभी सार्वजनिक उपक्रमों को बंद करने पर आमादा है। श्री सहाय ने कहा कि मातृ उद्योग को बचाने के लिए वह संघर्षरत रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भी एचईसी क्षेत्र से ही की है। इसलिए इस कारखाने व यहां कार्यरत कर्मियों से उनका विशेष लगाव है। श्रमिक नेताओं ने एचईसी में स्थाई अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक की नियुक्ति करने, कारखाना को पुनरुद्धार पैकेज उपलब्ध कराने, अधिकारियों व कर्मचारियों का वेतन नियमित करने, एचईसी परिसर में औद्योगिक माहौल फिर से बरकरार करने सहित अन्य मांगों के संदर्भ में चर्चा की। कांग्रेस पार्टी हर हाल में एचईसी को बचाएगी। केंद्र की भाजपा सरकार के जनविरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में हटिया मजदूर लोक लोक मंच के जान मोहम्मद, रामकुमार नायक, हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के जनरल सेक्रेटरी लीलाधर सिंह, एचईसी सप्लाई संघर्ष समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह, हटिया कामगार यूनियन (एटक) के प्रेसिडेंट आरके शाही, एचईसी श्रमिक संघ के शनी सिंह, वाई त्रिपाठी, महेंद्र कुमार, हटिया मजदूर यूनियन के हरेंद्र प्रसाद, एटक के अर्जुन रविदास, हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के भवन सिंह, हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के सुधीर कुमार मिश्रा, गिरीश कुमार चौहान, जनता मजदूर यूनियन के एसजे मुखर्जी सहित काफी संख्या में एचईसी के श्रमिक शामिल थे।

## डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत साकार हो रहा है : संजय सेठ

### भाजपा रांची महानगर ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**संवाददाता**

**रांची :** भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर हरमू स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लेकर डॉ मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर रांची के सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिस सशक्त, अखंड और आत्मगौरव से परिपूर्ण भारत का सपना देखा था, उसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का हटना डॉ मुखर्जी के अधूरे संकल्प को पूरा करने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सच्चे अर्थों में राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन प्रत्येक भारतीयों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है।

रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और वैचारिक दृढ़ता की अनुपम मिसाल है। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत माता की सेवा में समर्पित किया। आज प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि उनके विचारों और आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, अखंड भारत के संकल्प एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री जितेंद्र वर्मा, अरुण झा, राजू सिंह, नीरज चौधरी, संकेत तिवारी, इंद्रजीत यादव, अशोक मुंडा, मुनेश्वर साहू, गोपाल सोनी सहित भाजपा के प्रदेश, जिला, मंडल एवं मोर्चा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## राजनीति में युवाओं को आगे आना होगा : दीपिका पांडेय सिंह

**रांची :** झारखंड की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायतीराज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा आयोजित छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जीवन में वही क्षेत्र चुनें, जिसमें उनकी वास्तविक रुचि हो। विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, कला, वाणिज्य, खेल अथवा संस्कृति जिस भी क्षेत्र में विद्यार्थी समर्पण और उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ेंगे, सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।

मंत्री श्रीमती सिंह ने विद्यार्थियों से राजनीति, समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि वे समाज में बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं तो उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने का साहस भी रखना होगा।

उन्होंने कहा कि एक संवेदनशील, शिक्षित और दूरदर्शी नेतृत्व लाखों लोगों के जीवन को नई दिशा दे सकता है। देश और राज्य को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जो समान अवसर, सामाजिक न्याय और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। अपने संबोधन में उन्होंने हाल के दिनों में सामने आए पेपर लीक और सीबीएसई मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कई विद्यार्थियों को मूल्यांकन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्हें गर्व है कि झारखंड के एक मेधावी छात्र ने गहन अध्ययन के माध्यम से मूल्यांकन प्रक्रिया की विसंगतियों को उजागर किया, जिसकी सराहना स्वयं आदरणीय राहुल गांधी जी ने भी की। उन्होंने यह भी कहा कि पुनर्मूल्यांकन के बाद झारखंड की एक छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है। अनेक विद्यार्थियों को अपेक्षा से कम अंक मिलने के कारण उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जा सकता।

## मुख्यमंत्री से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने की शिष्टाचार मुलाकात

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय विदेश सेवा (2010 बैच) के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम एवं सुशील प्रसाद ने शिष्टाचार मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच झारखंड सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकासात्मक योजनाओं तथा राज्य में निवेश एवं आर्थिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकासात्मक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व पर भी बल दिया, जिनमें प्रवासन एवं गतिशीलता पार्टनरशिप, वन्यजीव पर्यटन की संभावनाएं, कौशल विकास एवं शिक्षा क्षेत्र में सहयोग तथा भारतीय प्रवासी समुदाय की सहभागिता शामिल रहा। साथ ही मुख्यमंत्री एवं भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के बीच झारखंड की शासन व्यवस्था एवं विकास यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम वर्तमान में लंदन स्थित भारत के उच्चायोग में कार्यरत हैं, जबकि सुशील प्रसाद नैरोबी स्थित भारत के उच्चायोग में पदस्थापित हैं। भारतीय विदेश सेवा के ये दोनों अधिकारी मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु झारखंड प्रवास पर हैं।

**कार्यालय जिला उद्यान पदाधिकारी, गुमला**
**संयुक्त कृषि भवन, करमटोली रोड, गुमला–835207, दूरभाष संख्या– 06524359722**

**आम सूचना**

विभागीय राज्यादेश सं0– 29 दिनांक 24.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य उद्यान विकास योजनान्तर्गत उपयोजना "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग" के तहत गुमला नगर निगम/नगरपालिका मे निवास करने वाले परिवार के घरों के आवासीय परिसर में पड़े छोटे भू–खण्ड/सरकारी परिसर/सरकारी आवास जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन हेतु पौध सामग्री की आवश्यकता एवं माँग के अनुसार उपलब्ध कराया जाना है। इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शत–प्रतिशत अनुदान पर एवं निजी व्यक्तियों के Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्डों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। उक्त योजना के लाभ हेतु इच्छुक लाभूकों से कार्यालय कार्य दिवस में आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर दिनांक 20.07.2026 तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

नोट :– 1. ST, SC, लघु सीमांत एवं महिला कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. सरकारी परिसर में योजना का कियान्वयन संबंधित सक्षम पदाधिकारी के स्तर से अधियाचना प्राप्त होने पर किया जाएगा।
3. अपूर्ण आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।
4. योजना के संदर्भ में विशेष जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र की प्राप्ति हेतु जिला उद्यान कार्यालय, गुमला से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी
गुमला।

PR.NO.384165 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(26-27):D

**झारखण्ड सरकार**
**जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी**

**वित्तीय वर्ष 2026–27**
**प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों के लिए मत्स्य स्पॉन वितरण**
**योजना प्रारम्भ की आवश्यक सूचना**

एतद् द्वारा खूँटी जिला के सभी प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या–15 रा(वि0), दिनांक–23.06.2026 (तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना, वित्तीय वर्ष 2026–27) द्वारा मत्स्य स्पॉन वितरण हेतु आदेश प्राप्त है। योजना में प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को 550/– रुपये प्रति लाख की दर का 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा तथा 10 प्रतिशत अर्थात् 55/– प्रति लाख की दर से लाभुक को अंशदान जमा करना होगा। शत् प्रतिशत् अनुदान पर 2000/– रु० मात्र का फ्राई कैचिंग जाल एवं 2000/–रु० मात्र का मत्स्य आहार उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में आकर विहित प्रपत्र में आवेदन जमा कर सकते है एवं ऑनलाईन Blockchain Platform पर आवेदन करना भी आवश्यक होगा। योजना की विस्तृत जानकारी जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से प्राप्त की जा सकती है एवं नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है। जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु राज्य स्तरीय तीन दिवसीय मत्स्य स्पॉन का प्रशिक्षण प्राप्त कर लिए है उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

**नोटः– SC/ST मत्स्य पालकों को जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।**

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी

PR 384191 (Fish)26-27*D

## सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो**
**अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

## धर्म स्थलों की पवित्रता

**पंजाब** ने अपने तीन शहरों की पवित्रता में धार्मिक पर्यटन की एक और छलांग लगा दी। अमृतसर, दमदमा साहिब तलवंडी साबो और केसगढ़ साहिब अब इस हद तक पवित्र होंगे कि न वहां शराब और न ही मांस बिकेगा। श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का खाका इस तरह बन रहा कि बसें भी मुफ्त में घुमाएंगी। धार्मिक पर्यटन की परिधि को सशक्त करते हुए पंजाब सरकार ने इस क्षेत्र को इसकी पवित्रता और विशेषता से जोड़ा है। यानी कि सिख पर्यटन की दृष्टि से पंजाब के महत्त्वपूर्ण शहर अपना आचरण व व्यवहार बदलेंगे। इसी संदर्भ में हिमाचल को भी धार्मिक स्थलों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं में विस्तार करना होगा। खास तौर पर आनंदपुर साहिब के बदलावों के साथ नयना देवी सर्किट को जोड़ते हुए एक उदाहरण पेश करना होगा। धार्मिक स्थलों की अधोसंरचना, क्षमता व सुविधाओं में सुधार के साथ-साथ, इन्हें पवित्र नगरियों की परिभाषा में सुव्यवस्थित करना होगा। ये स्थल महज मौज मस्ती के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक मान्यताओं को प्रदर्शित करने की अनुशासित पद्धति का नेतृत्व करें। कांगड़ा, चिंतपूर्णी, चामुंडा, ज्वालाजी, नयनादेवी, दियोटसिद्ध और बालाजी सुंदरी परिसरों के साथ जुड़े कस्बों व शहरों में तत्काल प्रभाव से पवित्र स्थलों का दर्जा देते हुए वहां शराब और मांस पर पाबंदी लगा देनी चाहिए। इसके लिए नीति, नियम, पद्धति और गवर्निंग बाड़ी चाहिए। हिमाचल में धार्मिक स्थल विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन करके ही हम इन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान दिला सकते हैं। हर साल कुछ मंदिरों में अप्रवासी भारतीय आकर विशेष आभूषण या मां के श्रृंगार में सोना-चांदी अर्पित करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी देश के विभिन्न भागों से हिमाचल के कुछ मंदिरों के लिए विशेष आस्था प्रस्तुत की जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में तीर्थ यात्राओं, समागमों और नवरात्रि महोत्सवों का आयोजन होता है। ऐसे में अगर धार्मिक स्थलों को धार्मिक नगरों के परिवेश में विकसित करते हुए इन्हें श्रद्धा के पैमानों में पवित्र घोषित किया जाए, तो आर्थिकी का एक नया दौर शुरू हो सकता है। अभी हिमाचल के मंदिर स्थल बाकी शहरों की तरह ही अपने औचित्य के लिए संघर्ष कर रहे । इससे शहर और मंदिर व्यवस्था के बीच न तो सामंजस्य और न ही एकरूपता का श्रृंगार हो रहा है। दक्षिण भारतीय मंदिरों की व्यवस्था के बाद पंजाब के धार्मिक स्थलों में आ रहे परिवर्तनों से सीखना होगा। बात अब मंदिरों के प्रबंधन से आगे धार्मिक नगरों के प्रबंधन की है। इन शहरों के विकास का एक खाका बनाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि धार्मिक पवित्रता के मानदंड हर सूरत लागू हों। दूसरी ओर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का स्तर, स्टेट ऑफ आर्ट अधोसंरचना से मुकम्मल किया जाए। चिंतपूर्णी में दर्शन योजना शुरू हुई, तो भक्तों ने आय बढ़ा दी। इसी तरह हर मंदिर के दर्शन और पूजा पद्धति का स्तर शखेकाच्चारण से पुष्ट करना होगा। धार्मिक नगरी विकास बोर्ड या प्राधिकरण को हर मंदिर स्थल के लिए एक विकास योजना बनानी होगी ताकि परिक्रमा और पर्वतीय परिवेश में स्थित हमारे धार्मिक स्थल हर आने वाले के लिए सुकून और पवित्रता का एक पैकेज बन जाएं।

## दफ्तरों की कार्य-संस्कृति में सुधार की सकारात्मक पहल

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में प्रशासनिक संवेदनशीलता और समयबद्धता को जनआकांक्षाओं की पूर्ति के दो मुख्य स्तंभ माना जाता है। हाल ही कैबिनेट सचिवालय द्वारा राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के सहयोग से जारी की गई मार्गदर्शिका न केवल देश की प्रशासनिक शिथिलता पर एक गंभीर विमर्श है, बल्कि जन-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक साहसिक प्रयास भी है। यह इसलिए भी क्योंकि दशकों से आम नागरिक सरकारी कार्यालयों के गलियारों में 'साहब मीटिंग में हैं' जैसे रूखे और पारंपरिक बहानों से त्रस्त रहा है। ऐसे में बैठकों की अधिकतम समय-सीमा 60 मिनट कर और उन्हें उद्देश्यपूर्ण बनाना शासन व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता को स्पष्ट करता है। केबिनेट सचिव की ओर से जारी दिशा-निर्दशों के तथ्य और आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि केंद्रीय कार्यालयों में रोजाना 20-30 और विभिन्न राज्यों में दर्जनों ऐसी बैठकें होती हैं जो अक्सर दिशाहीन, उबाऊ और अनिर्णायक साबित होती हैं। अवकाश के आगे-पीछे महत्वपूर्ण बैठकें न रखने और जटिल एजेंडे को भोजन के समय से दूर रखने के निर्देश अधिकारियों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों को संतुलित करने का भी प्रयास हैं। जो कार्य ई-मेल, पत्र या फिर दूरभाष से संभव हैं, उनके लिए लंबी बैठकें आयोजित न करने के सुझाव पर अमल हुआ तो समय और सार्वजनिक धन दोनों की बचत तय है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस जैसे विकसित राष्ट्रों में 'लीन मैनेजमेंट' और 'स्टैंड-अप मीटिंग्स' की सुदृढ़ परंपराएं रही हैं, जहां समय-प्रबंधन को उत्पादकता की पहली शर्त माना जाता है। भारत जैसे विशाल विविधता वाले देश में भी ऐसे वैश्विक मानकों को अपनाना अब अपरिहार्य हो चुका है। हालांकि, केंद्र सरकार की इस जन-हितैषी पहल की राह में चुनौतियां कम नहीं हैं। सबसे बड़ी चुनौती औपनिवेशिक काल से चली आ रही अफसरशाही मानसिकता और यथास्थितिवाद की है। कनिष्ठ कर्मचारियों को खुलकर अपनी बात रखने का माहौल देना कागजों पर तो सरल है, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इसके लिए अधिकारियों के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव की आवश्यकता होगी। यदि इस नीति की कड़ाई से मॉनिटरिंग नहीं की गई, तो इसका हश्र भी लोक सेवा गारंटी कानून जैसा ही सुस्त हो सकता है, जहां नियम तो बने परंतु क्रियान्वयन लचर ही है। अब भी समय सीमा में आम लोगों के कार्य होते नहीं दिखते। व्यवस्थागत सुधार केवल आदेशों से नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मानुशासन से आते हैं। इसलिए सरकार को इन निर्दशों की अनुपालना के लिए एक पारदर्शी और डिजिटल ट्रैकिंग मैकेनिज्म भी विकसित करना चाहिए, जहां बैठकों के 'एक्शनेबल पॉइंट्स' और उनके परिणामों की नियमित ऑडिट की व्यवस्था हो। तभी 'गुड गवर्नेंस' का वास्तविक स्वप्न साकार हो सकेगा और सार्थक विमर्श से सरकारी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

# छात्रवृत्ति योजनाओं का कम उपयोग चिंता का विषय

**छात्रवृत्ति योजनाओं की उपलब्धता के बावजूद उनका कम उपयोग एक बहुआयामी समस्या है, जिसमें वित्तीय, प्रक्रियात्मक और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं शामिल हैं। 2020-2024 के दौरान, उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रवृत्ति और अनुसंधान फेलोशिप के लिए फंडिंग में 1500 करोड़ से अधिक की गिरावट आई है। 2025 के केंद्रीय बजट में ओबीसी और ईबीसी के लिए आवंटन बढ़ने के बावजूद, अल्पसंख्यक और जनजातीय छात्रों के लिए कई छात्रवृत्तियों में कटौती की गई। उदाहरण के लिए, एसटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप में 99.99 प्रतिशत की भारी कमी देखी गई।**

**प्रो. अशोक कुमार**

भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए वंचित वर्गों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अल्पसंख्यक और दिव्यांग) के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और गैर-सरकारी संगठनों की ओर से कई छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। इनका मुख्य उद्देश्य आर्थिक बाधाओं को दूर करना और शिक्षा में समानता लाना है। हालांकि, विश्लेषण से पता चलता है कि इन छात्रवृत्तियों का एक बड़ा हिस्सा या तो अप्रयुक्त रहता है या उनके वितरण में गंभीर चुनौतियां हैं। प्रमुख चुनौतियों में बजटीय विसंगतियां (विशिष्ट योजनाओं में कटौती), संस्थानों द्वारा निधियों का कम उपयोग, जटिल आवेदन प्रक्रियाएं, पुनर्भुगतान मॉडल का वित्तीय बोझ, डिजिटल साक्षरता की कमी, और अध्ययन के क्षेत्रों तथा सामाजिक पहचान पर आधारित पूर्वाग्रह शामिल हैं। इन समस्याओं से छात्रों पर अत्यधिक वित्तीय और मानसिक तनाव पड़ता है, जिससे उच्च शिक्षा में नामांकन कम होता है और ड्रॉपआउट दर बढ़ती है। यह स्थिति सामाजिक असमानता को गहरा करती है। इस रिपोर्ट में योजनाओं के सरलीकरण, अग्रिम वित्तीय सहायता, मजबूत सहायता नेटवर्क और पारदर्शिता पर केंद्रित कई सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं।

भारत सरकार, राज्य सरकारें और निजी/सीएसआर पहले ही वंचित छात्रों की सहायता के लिए कई योजनाएं चलाती हैं। केंद्र सरकार देशभर में विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

अनुसूचित जाति (एससी) के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तिः 12वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता देती है। इसमें 2.50 लाख प्रतिवर्ष तक की आय सीमा शामिल होती है और भुगतान आधार-सीडेड बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से होता है।

अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तिः पेशेवर, तकनीकी, गैर-पेशेवर और गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए एसटी छात्रों को लाभान्वित करती है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तिः मैट्रिकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले ओबीसी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसके लिए अभिभावकों की आय सीमा एक लाख प्रतिवर्ष है।

कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना (सीएसएसएस)ः यह योजना कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से ऊपर के मेधावी छात्रों को लक्षित करती है, जिनके परिवार की वार्षिक आय 4.5 लाख से कम है। इसमें स्नातक स्तर पर 12 हजार प्रति वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर पर 20 हजार प्रति वर्ष का लाभ मिलता है।

राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति (एनओएस)ः एससी, विमुक्त घुमंतू, भूमिहीन कृषि मजदूरों और पारंपरिक कारीगरों से संबंधित कम आय वाले छात्रों को विदेश में मास्टर डिग्री या पीएच.डी. करने की सुविधा देती है। यह ट्यूशन फीस, रख रखाव भत्ता (यूएसए के लिए 15,400 डॉलर) और यात्रा खर्चों को कवर करती है।

युवा अचीवर्स योजना (श्रेयस)ः इसमें ओबीसी के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (एमफिल/पीएचडी के लिए 1000 जेआरएफ) और विदेशी अध्ययन के लिए शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी की डॉ. अंबेडकर केंद्रीय क्षेत्र योजना शामिल है।

प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएम-यूएसपी)ः यह जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के युवाओं को राज्य के बाहर के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिसमें प्रति वर्ष 5000 नई छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं।

राज्य सरकारें केंद्र की योजनाओं के पूरक के रूप में अपनी योजनाएं चलाती हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान की जनजाति छात्राओं को उच्च शिक्षा में आर्थिक सहायता के तहत नियमित अध्ययन हेतु 500 रुपए प्रतिमाह की सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (राजस्थान) 12वीं में 60त्न अंकों के साथ वरीयता सूची में प्रथम एक लाख तक स्थान प्राप्त करने वाले अल्प आय वर्ग के छात्रों को 500 रुपए प्रतिमाह (दिव्यांगों के लिए 1000) प्रदान करती है।

छात्रवृत्ति योजनाओं की उपलब्धता के बावजूद उनका कम उपयोग एक बहुआयामी समस्या है, जिसमें वित्तीय, प्रक्रियात्मक और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं शामिल हैं। 2020-2024 के दौरान, उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रवृत्ति और अनुसंधान फेलोशिप के लिए फंडिंग में 1500 करोड़ से अधिक की गिरावट आई है। 2025 के केंद्रीय बजट में ओबीसी और ईबीसी के लिए आवंटन बढ़ने के बावजूद, अल्पसंख्यक और जनजातीय छात्रों के लिए कई छात्रवृत्तियों में कटौती की गई। उदाहरण के लिए, एसटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप में 99.99 प्रतिशत की भारी कमी देखी गई।

# चुनौतियों के बीच अधिक विकास दर

**अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। लेकिन अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने की जरूरत है**

**डा. जयंती लाल भंडारी**

हाल ही में 28 नवंबर को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है। गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है।

जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही है। महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढ़ने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है।

इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोडकर अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शिखर वार्ता के लिए भारत आना सुनिश्चित किया है। इस मौके पर भारत व रूस के बीच कारोबार सहित कई समझौते हुए। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सरकार के बड़े फैसले जैसे कि पहला टैक्स में कटौती और दूसरा मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित बढ़ोतरी को बढ़ावा मिलेगा। यह आर्थिकी को तेजी से बढ़ाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि जीएसटी की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है।

साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनैंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की मध्यवर्ती आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और महंगाई में कमी का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था को मिला है। लेकिन अमेरिका की टैरिफ चुनौतियों सहित अन्य वैश्विक आर्थिक मुश्किलों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन बेहतर करने हेतु उद्योग-कारोबार को आर्थिक-वित्तीय सहारा जरूरी है। इसी प्रकार विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। लेकिन अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा उद्योग-कारोबार के लिए निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। निश्चित रूप से देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने के मद्देनजर कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। जीएसटी के बाद अब ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर नई पीढ़ी-अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है। इन सुधारों के तहत जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। साथ ही देश को कृषि, बैंकिंग, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों की डगर पर भी आगे बढ़ना होगा। तभी भारत विकसित देश बन सकेगा।

# जीवन और मृत्यु

**ओशो**

**चिंतन-मनन**

शिल्पकार बनना आसान है क्योंकि तुम निर्जीव वस्तुओं को देख रहे हो। तुम सुंदर मूर्ति बना सकते हो लेकिन वे मूर्तियां मृत हैं। तुम उनके साथ संबंधित नहीं हो सकते, तुम जीवंत हो। जीवन और मृत्यु के बीच संवाद संभव नहीं है। तुम प्रशंसा कर सकते हो, तुम आनंद मना सकते हो, यह तुम्हारा सृजन है। तुम संतुष्ट हो सकते हो, जो कुछ भी तुम चाहो, करने में तुम सफल हुए। लेकिन एक बात याद रखो, दूसरी तरफ वहां कोई नहीं है। तुम अकेले हो। इस स्थिति के कारण, यहां ऐसे लोग हैं, जो अपने बागीचों को प्रेम कर सकते हैं, जो अपनी कारों को प्रेम कर सकते हैं, वे दुनिया में मानव के अतिरिक्त हर चीज को प्रेम कर सकते हैं। क्योंकि मनुष्य का मतलब है कि तुम अकेले नहीं हो, दूसरा वहां है। वह संवाद है। मूर्ति के साथ, यह एकालाप है। मूर्ति कुछ भी कहने वाली नहीं है, वह तुम्हारी आलोचना करने वाली नहीं है, तुम्हारे ऊपर आधिपत्य जमाने वाली नहीं है। तुम मूर्ति पर आधिपत्य रखते हो, तुम उसे बाजार में बेच सकते हो। लेकिन यह तुम मनुष्य के साथ नहीं कर सकते। यह समस्या है। जब तुम मानव जाति से संबंधित होना शुरू करते हो, तुम्हें यह मानना होगा कि वे वस्तुएं नहीं हैं, वे चेतनाएं हैं। तुम उन पर प्रभुत्व नहीं जमा सकते। हालांकि सभी यह करने की कोशिश कर रहे हैं और अपने सारे जीवन को नष्ट कर रहे हैं। जिस क्षण तुम किसी मानव पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश करते हो, तुम शत्रु पैदा करते हो, क्योंकि वह मनुष्य भी प्रभुत्व जमाना चाहता है। तुम इसे प्रेम कह सकते हो, तुम इसे दोस्ती कह सकते हो, लेकिन दोस्ती और प्रेम और भाईचारे के पर्दे के पीछे गहरे में वहां शक्ति की चाह है। तुम प्रभुत्व करना चाहते हो, तुम अधीन नहीं होना चाहते। मनुष्यों के साथ, तुम सतत संघर्ष में होओगे। जितने करीब तुम होओगे उतना ही संघर्ष तुम्हें कष्ट देगा। यहां हजारों लोग हैं जो मनुष्यों के साथ रिश्तों के कारण इतने आहत हुए हैं कि वे मनुष्यों के साथ प्रेम, दोस्ती से दूर चले गए हैं। वे वस्तुओं की तरफ मुड़ गए हैं। यह आसान है,जो भी तुम चाहते हो वह दूसरा हमेशा करना चाहता है। तुम कलाकार हो, तुम मूर्ति बनाते हो। लेकिन क्या तुमने कभी सोचा है कि तुम क्या कर रहे हो? तुम संगमरमर से टुकड़े निकाल रहे हो, जो तुम मनुष्यों के साथ नहीं कर सकते, लेकिन लोग मनुष्यों के साथ भी यह कर रहे हैं। माता-पिता अपने बच्चों के पंख काट रहे हैं।

## आपके पत्र

### अभद्र भाषा का प्रयोग क्यों ?

देश में आम चुनाव का मौसम है। राजनीतिक दल मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, लेकिन कुछ राजनेता अभद्र, बेतुकी बयानबाजी भी इस दौरान करते हैं। हाल ही में कंगना रनौत और ममता बनर्जी के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ, वो मामला सुर्खियों में है। हिमाचल प्रदेश में सुप्रिया श्रीनेत, जो कि कांग्रेस से संबंधित हैं, द्वारा कंगना रनौत पर जो भद्दी टिप्पणी का मामला सामने आया है, उसके लिए सुप्रिया श्रीनेत ने स्पष्ट किया है कि यह टिप्पणी उनके द्वारा नहीं कि गई है। उन्होंने कहा कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट को बहुत से लोग प्रयोग करते हैं। यह टिप्पणी किसी और ने की है, लेकिन सुप्रिया को अपने सोशल साइट्स के अकाउंट को सबके साथ साझा करने की क्या जरूरत थी? दूसरी तरफ ममता पर टिप्पणी भी निंदनीय है।

**मनीषा चौधरी,रांची**

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

## समाचार सार

### दो साल में दूसरी बार कटहलबाड़ी मध्य विद्यालय में हुई चोरी ,सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

**साहिबगंज/उधवा :** राधानगर थाना क्षेत्र स्थित कटहलबाड़ी मध्य विद्यालय एक बार फिर चोरों के निशाने पर आ गया। बीते रविवार की रात अज्ञात बदमाशों ने विद्यालय कार्यालय का ताला तोड़कर शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए उपयोग में आने वाला बायोमेट्रिक टैब चोरी कर लिया। लगातार दूसरी बार विद्यालय में हुई चोरी की घटना से विद्यालय प्रबंधन के साथ-साथ स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है। विद्यालय के सचिव विनय कुमार मंडल ने सोमवार को राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि रविवार होने के कारण विद्यालय बंद था। सोमवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर कार्यालय का ताला टूटा मिला। अंदर जांच करने पर शिक्षकों की उपस्थिति के लिए रखा गया बायोमेट्रिक टैब गायब था। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। गौरतलब है कि यह विद्यालय में चोरी की पहली घटना नहीं है। इससे पहले 30 अप्रैल 2025 की रात भी चोरों ने कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर करीब 10 कंप्यूटर, 8 कीबोर्ड और अन्य उपकरण चोरी कर लिए थे। हालांकि, चोरी के दौरान चोर बैटरियों को विद्यालय के समीप झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए थे। लगातार दूसरी बार विद्यालय को निशाना बनाए जाने से परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

### दो किलो गांजा के साथ व्यक्ति गिरफ्तार, भेजा गया जेल

**साहिबगंज:**नगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को करीब दो किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी कारू दास के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर पश्चिमी फाटक की ओर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए नगर थाना पुलिस और टाइगर मोबाइल की टीम ने तत्काल इलाके में घेराबंदी की।इसी दौरान संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा और अपने पास रखा झोला फेंक दिया। पुलिस कर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। जब झोले की तलाशी ली गई तो उसमें लगभग दो किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान कारू दास के रूप में बताई। पुलिस ने बरामद गांजा को जब्त कर लिया है तथा आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

### ट्रैक्टर की चपेट में आने से छह वर्षीय बच्चे की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

**साहिबगंज:** जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंबाडीह मारीकुट्टी गांव में सोमवार को ट्रैक्टर की चपेट में आने से छह वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अरुण पहाड़िया के पुत्र सूरज पहाड़िया के रूप में हुई है।घटना के बाद परिजन बालक के शव को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे और मामले की सूचना जिरवाबाड़ी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने खदान और क्रशर की ओर जाने वाले पहाड़ी मार्ग को बांस-बल्ला लगाकर जाम कर दिया। सूचना मिलने पर जिरवाबाड़ी थाना के सब-इंस्पेक्टर अजीत लाकड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और जाम हटवाया।मृतक के पिता अरुण पहाड़िया ने बताया कि उनका बेटा अन्य बच्चों के साथ घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान पत्थर लदा एक ट्रैक्टर पहाड़ी की ओर जा रहा था। जिसकी चपेट में आने से सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### डीप बोरिंग सह पाइप लाइन योजना का हुआ शिलान्यास

**साहिबगंज/बरहरवा:**नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड 03 के अभय शर्मा के घर के पास डीप बोरिंग सह पाइप लाइन का शिलान्यास वार्ड पार्षद अमित भारती के नेतृत्व में बरहरवा नगर अध्यक्ष अर्पिता दास व नगर उपाध्यक्ष राजमकुमार भगत के हाथों किया गया।इस दौरान पार्षद अमित भारती ने कहा उक्त योजना संख्या बरहरवा नगर पंचायत योजना संख्या -ऋ2/25 2025-2026 के तहत स्थानीय लोगों को पानी की समस्याओं से निजात मिलेगा।जल्द से जल्द योजना को पूर्ण करने की कवायद शुरू कर दी जाएगी।अध्यक्ष-अर्पिता दास,उपाध्यक्ष राजकुमार भगत,वार्ड पार्षद अमित कुमार भारती,पूर्व नगर अध्यक्ष श्यामल दास,रमेश डोकानिया,कमलजीत शर्मा, कैलाश शर्मा,कमल अग्रवाल,शशि अग्रवाल,उत्तम शर्मा,गोपाल शर्मा,जगदीश पटवारी,अरुण पटवारी,दिनेश रामानी विशाल भगत और भी कई लोग मौजूद थे।

### डीवीसी के स्थापना दिवस पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित

**विष्णुगढ़ :** डीवीसी कोनार के 79वें स्थापना दिवस के मौके पर सोमवार को कोनार मवि तथा उवि सभागार में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह के मार्गदर्शन में वरीय प्रबंधक (विद्युत) विशाल यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसकी शुरूआत की। प्रतियोगिता में वरीय प्रबंधक ने प्रतिभागियों से डीवीसी, कोनार परियोजना, झारखंड समेत अन्य समसामयिक घटनाओं से जुड़े अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक सवाल पूछे। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए। पांचवीं, छठी तथा सातवीं कक्षा के बच्चों को अलग-अलग ग्रुप में विभाजित कर प्रतियोगिता की गई। जिसमें ग्रुप सी के छात्र अरविंद हेम्ब्रम, बादल हेंब्रम एवं कृष्णा हेंब्रम ने सवालों के सर्वश्रेष्ठ जवाब देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कक्षा आठवीं, नौंवी तथा दशवीं के बीच आयोजित प्रतियोगिता में ह्लगामा टीम में विशाल कुमार, त्रिदेव पांडेय, प्रियंका कुमारी और आकाश कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में सभी बच्चे काफी प्रसन्न एवं उत्साहित नजर आए। इस दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीएन मंडल, सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार, प्रबंधक (विद्युत) चंदन कुमार, गौतम कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, प्राचार्य भरत किशोर महतो, राजेश्वर कुमार रजक, संजय दास, सुनील तुरी, महेश प्रजापति, मुनेश्वर लाल, राज आलोक, तोहिद अंसारी, रूकवा देवी समेत कई लोग मौजूद थे।

# निविदा निस्तारण के बाद मौसम अनुकूल होते ही कार्य प्रारंभ किया जाए : उपायुक्त

## पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन आर एण्ड आर कॉलोनियों में आधारभूत सुविधाओं के विकास व जनकल्याणकारी व्यवस्थाओं की समीक्षा

**संवाददाता**

**साहिबगंज:**उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में पलटनगंज व बांसकोला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन आर एंड आर कॉलोनियों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं विकासात्मक कार्यों जनोपयोगी सेवाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी में जल निकासी ड्रेनेज व्यवस्था के निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्य हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निविदा निस्तारण के बाद मौसम अनुकूल होते ही कार्य प्रारंभ किया जाए । नवंबर माह तक निर्माण कार्य को हर हाल में पूर्ण किया जाए। उपायुक्त ने आर एंड आर कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पूर्व में पूर्ण किए जा चुके अवयवों एवं शेष अवयवों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की । उन्होंने जलमीनार हैंडपंप बोरिंग और घर-घर नल कनेक्शन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुनर्वासित परिवारों को गुणवत्तापूर्ण एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही कॉलोनी परिसर की साफ-सफाई एवं रख-रखाव सुनिश्चित करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया गया।बैठक में कॉलोनी क्षेत्र में आवश्यक सामाजिक व सार्वजनिक संस्थानों की उपलब्धता पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आर एंड आर कॉलोनी के निवासियों के लिए स्वास्थ्य उपकेंद्र, पशु चिकित्सालय व आंगनबाड़ी केंद्र जैसी सुविधाओं की आवश्यकता है। इस पर उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण एवं संचालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग से संबंधित सुविधाओं के संबंध में उन्होंने निर्देश दिया कि निकटवर्ती स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं अन्य उपलब्ध संस्थानों से यथाशिघ्र आवश्यक सेवाओं को टैग कर कॉलोनीवासियों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि पुनर्वासित परिवारों को को आवश्यक सेवाओं का लाभ सहज रूप से प्राप्त हो सके।उपायुक्त ने अपर समाहर्ता परियोजना प्रभारी आईडब्ल्यूएआई कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल ग्रामीण विकास तथा कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को संयुक्त रूप से पलटनगंज आर एंड आर कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों की पहचान करते हुए शीघ्र प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश दिया।इसके अतिरिक्त बांसकोला में निमार्णाधीन नवीन आर एंड आर कॉलोनी के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आवास निर्माण बाउंड्री वॉल, जल निकासी व्यवस्था सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को बेहतर जीवन-स्तर एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ रूप से कार्य करते हुए परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।बैठक में अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमर जॉन आइंद, कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल, ग्रामीण विकास विभाग श्री रामाकांत कार्यपालक अभियंता, पेयजल स्वच्छता प्रमंडल श्री शशि कुमार सिंह परियोजना प्रभारी, आईडब्ल्यूएआई अनुपम सिन्हा सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

### उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का आरोप

# गैस एजेंसी के खिलाफ डीसी से शिकायत

### उपभोक्ताओं का दावा कनेक्शन के नाम पर अवैध वसूली

**संवाददाता**

**साहिबगंज:** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभुकों को मिलने वाले घरेलू गैस कनेक्शन में कथित अनियमितता और गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। प्रखंड क्षेत्र स्थित वेदव्यास इंडेन ग्रामीण वितरक बेगमगंज के खिलाफ दो उपभोक्ताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति पदाधिकारी और उपायुक्त साहिबगंज को लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता पारूल मंडल एवं शकुंतला देवी ने अपने आवेदन में बताया कि उन्होंने 14 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत वेदव्यास इंडेन ग्रामीण वितरक, बेगमगंज से घरेलू गैस कनेक्शन लिया था। उनका उपभोक्ता संख्या क्रमशः 7220346517 व 7220334147 आरोप है कि कनेक्शन उपलब्ध कराने के नाम पर एजेंसी संचालक चैतन्य मंडल के भाई तपन मंडल ने प्रत्येक उपभोक्ता से एक हजार रुपये की अवैध वसूली की।आवेदन में कहा गया है कि कनेक्शन लेने के दिन पहली बार सिलेंडर रीफिल कराया गया था। इसके बाद 11 जून 2026 को दूसरी बार गैस भरवाई गई। लेकिन जब उपभोक्ताओं ने अपने कनेक्शन का ऑनलाइन स्टेटस जांचा तो पाया कि उनके नाम पर बीच के वर्षों में भी कई बार नियमित गैस रीफिल दशार्या गया है।जबकि उन्होंने लगभग साढ़े पांच वर्षों तक दोबारा गैस नहीं भरवाई थी। शिकायतकताओं का आरोप है कि एजेंसी संचालक द्वारा उनके उपभोक्ता आईडी का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए अनाधिकृत एवं कपटपूर्ण तरीके से उनके नाम पर गैस रीफिल दर्शाकर सिलेंडरों की कालाबाजारी की गई।जो पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने । उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने की मांग की है।इस संबंध में तपन मंडल के पक्ष प्रस्तुत करने के लिए संपर्क किया गया लेकिन संपर्क नहीं होने के कारण उनका पक्ष प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

### मेरा युवा भारत साहिबगंज ने मनाया डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जन्म जयंती

**साहिबगंज:**युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार माय भारत मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वाधान में दिन सोमवार को मेरा युवा भारत जिला प्रधान कार्यालय में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की125 वी जन्म जयंती मनाया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुबोध झा,युवा क्लब के अध्यक्ष गौरव कुमार सुमन,राज्य शिक्षण संस्थान के निर्देश रविकांत ताती थे।वही मुख्य अतिथि भगत सिंह युवा क्लब के अध्यक्ष गौरव कुमार सुमन ने अपने संबोधन में युवाओं को संबोधित करते हुए यह कहा कि आज हम सब एक ऐसे महान राष्ट्र नायक की जयंती पर एकत्रित हुए हैं जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित कर दिया है।महान शिक्षा वेद प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं जन नेता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की साथियों 6 जुलाई 1901 को कोलकाता की पावन धरती पर जन्मे डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने विचारों और अपने साहस से पूरे देश को नई दिशा दी।उनके पिता आशुतोष मुखर्जी एक महान शिक्षा भी थे और उसकी संस्कार ने डॉक्टर मुखर्जी को भी राष्ट्र सेवा के मार्ग पर अग्रसर किया उन्होंने कम आयु में ही कोलकाता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनने का गौरव प्राप्त किया उनका मानना था कि यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है तो उसके युवाओं को शिक्षित सांस्कृतिक और राष्ट्र भावना बनाना होगा।वही रविकांत ताती ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन की अंतिम क्षण भी राष्ट्र के नाम कर दिया जम्मू कश्मीर की पूर्ण एकता के लिए संघर्ष करते हुए 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रीय के लिए त्याग करने वाला व्यक्ति कभी मरता नहीं वह करोड़ लोगों के दिल में अमर हो जाते हैं।वही चंदन कुमार ने कहा कि आज माय भारत का उद्देश्य भी युवाओं में नेतृत्व सेवा अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना को विकसित करना है यदि हम डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतार ले तो निश्चित ही भारत को विकसित सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं आज उनकी जयंती पर हम सब यह संकल्प ले कि राष्ट्र प्रथम राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य करेंगे समाज सेवा को अपना कर्तव्य मानेंगे और भारत की एकता अखंडता और गौरव की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।इस कार्यक्रम में मेरा युवा भारत के सदस्य राहुल कुमार यादव,विकास कुमार,मनवेल टुडू,विजय सोरेन,अमित रविदास,रवि कुमार,अनिल कुमार,जितेन टुडू,जोसेफ सोरेन,मोनू रविदास, एवं विभिन्न युवा क्लब सदस्य उपस्थिति थे।

### गया हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन में महिला दरोगा और उनके परिवार वालो से मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

# ट्रेन के इंजन के सामने खड़ी हुई महिला दारोगा आस्वाशन के बाद खुली ट्रैन

**संवाददाता**

**साहिबगंज/बरहरवा:** झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना में पदस्थापित महिला सब इंस्पेक्टर दारोगा पूजा कुमारी उनके पति हरिओम कुमार और उनके छोटे बच्चे के साथ गया-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रैन में मारपीट का मामला सामने आया है.मिली जानकारी के अनुसार आरक्षित सीट पर कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई.आरोप है कि कुछ युवकों ने पहले उनकी सीट पर बैठने का प्रयास किया और विरोध करने पर अपने अन्य साथियों को बुलाकर दंपती और उनके बच्चे के साथ मारपीट की,काफी देर तक बवाल होने के बाद मामले में जीआरपी ने संज्ञान में लिया और प्राथमिकी दर्ज कराई है,जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है।

**क्या है पूरा मामला** : दरअसल बरहरवा थाना ड्यूटी ज्वाइन करने लौट रही थीं दरोगा पूजा कुमारी जानकारी के अनुसार,पूजा कुमारी की तैनाती साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना में है. उन्हें 6 जुलाई को अपनी ड्यूटी ज्वाइन करनी थी.इसी कारण वह अपने पति हरिओम कुमार और बच्चे के साथ गया-हावड़ा एक्सप्रेस से बरहरवा लौट रही थीं.उनके पति हरिओम कुमार भी झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं.परिवार के पास ट्रेन में यात्रा के लिए विधिवत आरक्षित टिकट था और वे अपनी निर्धारित सीट पर बैठे हुए थे।

**आरक्षित सीट पर बैठे जबरन बैठे युवकों से शुरू हुआ विवाद** : बताया जा रहा है कि नवादा स्टेशन के पास कुछ युवक उनकी आरक्षित सीट पर आकर बैठ गए.जब पूजा कुमारी और उनके पति ने युवकों से सीट खाली करने का अनुरोध किया और अपना आरक्षण टिकट दिखाया,तो इसे लेकर आरक्षित सीट पर बैठे युवक से कहा सुनी शुरू हो गई,थोड़ी देर गहमा गहमी होने के बाद विवाद बढ़ने पर युवकों ने अपने अन्य साथियों को फोन कर बुला लिया और फिर दंपती के साथ मारपीट शुरू कर दी.इस दौरान उनका बच्चा भी उनके साथ मौजूद था.घटना से ट्रेन में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

**रेलवे पुलिस ने नहीं दिखाई गंभीरता,महिला दारोगा के पहचान बताने के बाद हरकत में आई पुलिस** : महिला दरोगा पूजा कुमारी ने आरोप लगाया कि घटना की जानकारी तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को दी गई, लेकिन शुरूआत में पुलिसकर्मियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और टालमटोल करते रहे.उन्होंने बताया कि जब उन्होंने और उनके पति ने अपना परिचय झारखंड पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में दिया,तब जाकर आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी सक्रिय हुए और मामले में हस्तक्षेप किया।इंजन के सामने खड़ी हुईं महिला दरोगाघटना से आक्रोशित पूजा कुमारी विरोध जताने के लिए काशीचक स्टेशन पर ट्रेन के इंजन के सामने खड़ी हो गईं.उनके विरोध के कारण गया-हावड़ा एक्सप्रेस करीब एक घंटे तक स्टेशन पर रुकी रही.इसके बाद रेलवे पुलिस और अन्य अधिकारियों ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया,तब जाकर ट्रेन को आगे रवाना किया गया.इस घटना के कारण यात्रियों को भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

**स्थानीय लोगों से मिली आरोपी की पहचान** : पूजा कुमारी ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय परिचित लोगों से जानकारी लेने पर उन्हें विमलेश कुमार नामक युवक का नाम पता चला,उसी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया.बताया जा रहा है कि आरोपी काशीचक क्षेत्र का रहने वाला है.महिला दरोगा ने अपनी शिकायत में उसका नाम भी दर्ज कराया है।रेल पुलिस मामले की जाँच कर रही है ।

# शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस में अनन्या पांडेय का ग्लैमरस अवतार, कर्वी फिगर देख दीवाने हुई फैंस

**बॉलीवुड** की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक अनन्या पांडे हमेशा से ही अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। आए दिन उनका ग्लैमरस लुक चर्चा का विषय बना रहता है। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है, जहां वह अक्सर अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और वीडियोज साझा करती रहती हैं। हाल ही

अनन्या ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गईं। इन लेटेस्ट फोटोज में उनका बेहद स्टनिंग और फैशनेबल अंदाज नजर आ रहा है, जिस पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे ने शेयर की तस्वीरेंः हाल ही में अनन्या पांडे ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें फैंस की तरफ से भरपूर प्यार मिल रहा है।

इन तस्वीरों में अनन्या पांडे ने शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। उनका ये लुक काफी सुन्दर और सेक्सी लग रहा है।

एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान अनन्या पांडे ने अपना यह लुक रखा और सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। फैशन के मामले में वो कभी भी अपने फैंस को निराश नहीं करती हैं। इसी के साथ उन्होंने हर एक तस्वीर में बहुत ही बेहतरीन पोज दिए हुए हैं। हर तरफ बस उन्ही की चर्चा हो रही है। अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और टाइम तो टाइम अपने फैंस को अपने जीवन की अपडेट देती रहती हैं। इसी के साथ यदि उनका मेकअप देखा जाए तो न्यूड मेकअप केसाथ उन्होंने सॉफ्टी स्मोकी आईज को ज्यादा तर्जी दी।

अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए उन्होंने सिंपल और क्लासी इयररिंग्स पहने हुए थे।

स्टैंडआउट परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर का मिला अवॉर्डः फोटोज शेयर करने के साथ उन्होंने कैप्शन में बताया कि उन्हें इस इवेंट के दौरान फिल्म केसरी चैप्टर 2 के लिए 'स्टैंडआउट परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला।

# इक्का का दमदार ट्रेलर रिलीज, कोर्टरूम में आमने-सामने दिखेंगे सनी देओल और अक्षय खन्ना

सनी देओल और अक्षय खन्ना पहली बार नेटफ्लिक्स की फिल्म ह्यइक्काह्न में साथ नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें कोर्टरूम ड्रामा, पारिवारिक रिश्तों और न्याय की लड़ाई की झलक देखने को मिलती है। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। ट्रेलर में सनी देओल एक सिद्धांतवादी वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में दिखाई देते हैं, जो कहते हैं, हम कोर्ट में जीतने के लिए नहीं, हक के लिए लड़ते हैं। लेकिन जब उन्हें हाई-प्रोफाइल हत्या के प्रयास के मामले में शौर्यमान गौर (अक्षय खन्ना) का बचाव करना पड़ता है, तो उनके सिद्धांत और निजी जिंदगी दोनों कठिन परीक्षा से गुजरते हैं।

कोर्टरूम ड्रामा के साथ रिश्तों और भावनाओं की भी होगी परीक्षाः फिल्म में टिलोत्तमा शोम पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मधुरा बनर्जी की भूमिका निभा रही हैं, जो न्याय के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। वहीं दिया मिर्जा, अर्जुन मेहरा की पत्नी अवंतिका के किरदार में हैं, जो परिवार को बिखरने से बचाने की कोशिश करती हैं। ट्रेलर में कोर्टरूम की तीखी बहसों, भावनात्मक टकराव और बदलती वफादारियों की झलक दिखाई गई है, जिससे साफ है कि फिल्म केवल कानूनी लड़ाई नहीं बल्कि रिश्तों, नैतिकता और कठिन फैसलों की कहानी भी है।

सनी देओल, दिया मिर्जा और टिलोत्तमा शोम ने साझा किया अनुभवः सनी देओल ने कहा कि इक्का सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा नहीं, बल्कि परिवार, रिश्तों और जिंदगी के कठिन फैसलों की कहानी है। उन्होंने बताया कि अर्जुन मेहरा का दर्द, गुस्सा, खामोशी और न्याय के लिए उसका संघर्ष ही उन्हें इस किरदार की ओर खींच लाया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह उनकी पहली डायरेक्ट-टू-स्ट्रीमिंग फिल्म है और उन्हें खुशी है कि नेटफ्लिक्स के जरिए दुनिया भर के दर्शक इसे देख सकेंगे। दिया मिर्जा ने अपनी भूमिका को मजबूत और संवेदनशील बताया, जबकि टिलोत्तमा शोम ने कहा कि मधुरा बनर्जी का ईमानदार और अडिग व्यक्तित्व उन्हें बेहद आकर्षित करता है और यह फिल्म हर किरदार को कठिन परिस्थितियों में परखती है।

अक्षय खन्ना ने भेजा खास संदेश, 10 जुलाई को होगी ऑनस्क्रीन टक्करः ट्रेलर लॉन्च में शामिल न हो पाने वाले अक्षय खन्ना ने मीडिया और प्रशंसकों के लिए एक खास वॉयस मैसेज भेजा। उन्होंने कहा, ह्लकुछ मुलाकातें स्टेज पर नहीं हो सकतीं। अगर हो गईं, तो जलजला आ सकता है। इसलिए इक्का और मैं अब सिर्फ नेटफ्लिक्स की स्क्रीन पर मिलेंगे, 10 जुलाई को। तैयार रहना। अल्केमी फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में सनी देओल, अक्षय खन्ना, टिलोत्तमा शोम और दिया मिर्जा के अलावा संजीदा शेख, शिशिर शर्मा और आकांक्षा रंजन कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

## फीफा वर्ल्ड कप 2026: मिकेल मेरिनो के आखिरी समय में गोल से पुर्तगाल का टूटा सपना, क्वार्टर-फाइनल में पहुंचा स्पेन

**आर्लिंगटन ।** डलास स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए फीफा वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर टूनामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ स्पेन ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लुइस डे ला फुएंते की टीम अब अपना अगला मुकाबला लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेलेगी। पुर्तगाल की इस हार के साथ ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो का विश्व कप सफर भी समाप्त हो गया। मुकाबले से पहले उन्होंने कहा था कि यह उनका आखिरी विश्व कप होगा। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने अपने विश्व कप करियर में 27 मैच खेले और 11 गोल किए। इसके अलावा वह छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी भी बने। मुकाबले की शुरूआत दोनों टीमों ने संतुलित अंदाज में की। हालांकि शुरूआती मिनटों में स्पेन अधिक आक्रामक नजर आया। मिकेल ओयारजाबल के शॉट पर डियोगो कोस्टा को तीसरे मिनट में ही शानदार बचाव करना पड़ा। पुर्तगाल ने भी तुरंत जवाब दिया, जब जोआओ कैंसेलो दाईं ओर से आगे बढ़े और उनका शक्तिशाली प्रयास क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। कुछ मिनट बाद, ओल्मो ने ओयारजाबल को मौका दिया, लेकिन जब डियोगो कोस्टा आगे आए, तो ओयारजाबल का शॉट बाहर चला गया। उतार-चढ़ाव वाले इस खेल में, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक जोरदार शॉट लगाया जिसे उनाई सिमोन पूरी तरह से रोक नहीं पाए।

**कुछ मिनट बाद, ओल्मो ने ओयारजाबल को मौका दिया, लेकिन जब डियोगो कोस्टा आगे आए, तो ओयारजाबल का शॉट बाहर चला गया। उतार-चढ़ाव वाले इस खेल में, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक जोरदार शॉट लगाया जिसे उनाई सिमोन पूरी तरह से रोक नहीं पाए।**

इसके बाद अगले 15 मिनट काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। स्पेन ने तेजा से पलटवार किया और डियोगो कोस्टा ने लामल और बाएना के शॉट्स पर दो शानदार बचाव किए। फिर पुर्तगाल ने खेल को संतुलित किया और स्पेन को रोके रखा। जोआओ फेलिक्स की मदद से रोनाल्डो ने एक कलात्मक शॉट लगाया, लेकिन उनाई सिमोन ने बचा लिया। यह मुकाबले में पुर्तगाल का सबसे अच्छा वक्त था।

दूसरे हाफ में भी खेल बराबरी का रहा, लेकिन पुर्तगाल ज्यादा खतरनाक लग रहा था। पेड्रो नेटो के दाईं ओर से किए गए हमलों की वजह से। चोट के कारण नूनो मेंडेस की जगह नेल्सन सेमेडो को मैदान पर उतारा गया, लेकिन फिर भी राष्ट्रीय टीम ने कुछ मुश्किलों के बावजूद स्पेन के हमलों को नाकाम कर दिया।

मुकाबला आगे बढ़ने के साथ रणनीतिक लड़ाई और भी अहम हो गई। लामिन यमल की फ्री-किक पर डियोगो कोस्टा ने शानदार बचाव करते हुए गेंद को कॉर्नर के लिए बाहर भेज दिया। अंतिम 15 मिनट में राफेल लियाओ के मैदान पर आने से पुर्तगाल के आक्रमण में नई ऊर्जा आई। उनकी शानदार चाल के बाद ब्रूनो फर्नांडीस को गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में जाकर लगा।

एक्स्ट्रा टाइम समाप्त होने से कुछ देर पहले स्पेन ने निर्णायक हमला किया। मिकेल मेरिनो ने खाली जगह का फायदा उठाते हुए डियोगो कोस्टा को छकाया और विजयी गोल दाग दिया। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम के अंतिम क्षणों में बर्नार्डो सिल्वा के पास हेडर से बराबरी करने का मौका था, लेकिन उनका शॉट पोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। इस तरह से यह रोमांचक मुकाबला देखने को मिला।

# वेलकम टू द जंगल के लिए अक्षय कुमार ने नहीं लिया फीस

**निर्देशक** अहमद खान की फिल्म वेलकम टू द जंगल अपने भव्य बजट, बड़ी स्टार कास्ट और अक्षय कुमार के अनोखे पारिश्रमिक मॉडल को लेकर चर्चा में है। ट्रेड अनुमानों के अनुसार फिल्म का कुल बजट करीब 125 करोड़ रुपए है। फिल्म के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शूटिंग पर खर्च किया गया। अकेले प्रोडक्शन कॉस्ट लगभग 60 करोड़ रुपए रही। विशाल स्टार कास्ट और एक्शन सीक्वेंस को देखते हुए यह बजट भव्यता और संतुलित खर्च का उदाहरण माना जा रहा है। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि अक्षय कुमार ने इस बार अपनी अभिनय फीस नहीं ली। इसके बजाय उन्होंने निमार्ता के साथ मुनाफे में हिस्सेदारी (प्रॉफिट-शेयरिंग) के आधार पर काम करने का फैसला किया। इस व्यवस्था के तहत निमार्ता अपनी लागत निकालने के बाद जो मुनाफा कमाएंगे, उसमें से अक्षय कुमार को उनका हिस्सा मिलेगा।

फिल्म की पूरी स्टार कास्ट पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो इतनी बड़ी कलाकारों की टीम वाली फिल्म के हिसाब से अपेक्षाकृत कम माना जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह अक्षय कुमार द्वारा अपनी फीस छोड़ना रही। निर्देशक और तकनीकी टीम की फीस पर लगभग 15 करोड़ रुपए तथा प्रिंट और प्रचार-प्रसार पर भी करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इस तरह फिल्म की कुल निर्माण लागत 125 करोड़ रुपए तक पहुंची। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्य सिंह और भाग्य भानुशाली प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वेलकम टू द जंगल को एए नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियोज ने सीता फिल्म्स तथा राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया है। यह बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप का निर्माण है।

## डीजे बने अर्जुन रामपाल, साझा की ड्रोन शो की झलक

**बॉलीवुड** अभिनेता अर्जुन रामपाल ने मॉरीशस यात्रा के दौरान डीजे कंसोल संभालते हुए अपने संगीत प्रेम का परिचय दिया। अर्जुन रामपाल ने इस खास मौके का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें वह दर्शकों के लिए संगीत प्रस्तुत करते नजर आए। वीडियो में एक भव्य ड्रोन शो भी दिखाया गया है। अर्जुन ने पोस्ट में लिखा कि मॉरीशस, आपने कल रात कमाल कर दिया। शानदार ऊर्जा और खूबसूरत ड्रोन शो के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। अर्जुन रामपाल का डीजे के रूप में प्रदर्शन कोई नया अनुभव नहीं है। वर्ष 2012 में उन्होंने दूसरे फॉमूर्ला वन इंडियन ग्रां प्री की आधिकारिक आफ्टर पार्टी में पहली बार डीजे के रूप में प्रस्तुति दी थी। उस कार्यक्रम में उन्होंने ब्रिटिश इलेक्ट्रॉनिक संगीत निमार्ता गैरेथ एमरी के साथ भी मंच साझा किया था। हाल ही में अर्जुन अमेरिका और कनाडा के 10 शहरों में आयोजित दि रैम्पेज टूर पूरा कर लौटे हैं, जहां उन्होंने बॉलीवुड, टेक्नो, हाउस और ग्लोबल क्लब म्यूजिक का मिश्रण पेश किया। अर्जुन हाल ही में धुरंधर और धुरंधरः दि रिवेंज में आईएसआई मेजर इकबाल की भूमिका में नजर आए।

वह जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर की आगामी सीरीज बिलियनेयर में मुख्य भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस सीरीज का निर्माण हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल कर रहे हैं।

# विराट के लिए दिल में बहुत सम्मान, जल्द भारत आना चाहता हूं': नोवाक जोकोविच

**नई दिल्ली ।** मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने जियोस्टार पर कहा, ₹मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।₹ उन्होंने कहा, ₹मैं सर्बिया से आता हूं, जहां क्रिकेट बड़ा खेल नहीं है। लेकिन मेरी टीम में कुछ लोग ब्रिटिश हैं, और उन्हें क्रिकेट पसंद है। इसलिए मैं पिछले 10 से 15 वर्षों से इस गेम के बारे में सीख रहा हूं। मुझे अभी भी अपनी क्रिकेट स्किल्स पर काम करने की जरूरत है। शायद विराट मेरी तकनीक और बैट स्विंग में मदद कर सकें। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान और प्रशंसा है। मुझे उनके देश भारत में उनसे मिलकर अच्छा लगेगा।₹

जोकोविच ने रविवार को खेले गए चौथे राउंड के मुकाबले में रोमन सफीउलिन को 7-6(6), 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर, न सिर्फ अगले राउंड में जगह बनाई, बल्कि पूर्व दिग्गज रोजर फेडरर के 105 विंबलडन पुरुष एकल जीत के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस टूनामेंट के सबसे सफल एकल खिलाड़ी बने। जोकोविच लगातार 9वीं बार विंबलडन क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे हैं।

विंबलडन में अपनी सफलता पर जोकोविच ने कहा, ₹विंबलडन में, मैंने जो भी हासिल किया है, वो मेरी विरासत है। मैंने यह कई बार कहा है, और मैं हमेशा इसके बारे में खुलकर बात करता रहा हूं। यह वह टूनामेंट था जिसे जीतने का सपना मैंने बचपन में देखा था। मैं हमेशा यहां अच्छा करना चाहता था, हमेशा विंबलडन जीतना और दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहता था। 2011 में यह अनुभव करना मेरे लिए खुशी की बात थी। और फिर, कुल सात बार टूनामेंट जीतना और इतने सारे फाइनल में खेलना, यह एक अविश्वसनीय सफर रहा है।₹

उन्होंने कहा, ₹किसी वजह से, मैं हमेशा इस घास वाली सतह पर, खासकर सेंटर कोर्ट पर अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा टेनिस खेलने में कामयाब रहा हूं। ऊर्जा, इतिहास, माहौल झ्र यह सब मुझमें कुछ अलग लाता है। मैं इन मौकों को हल्के में नहीं लेता। अभी भी अपना और खेल का इतिहास लिख पाना, अभी भी इस स्तर पर प्रदर्शन कर पाना और एक और क्वार्टर-फाइनल में होना, यह बहुत मायने रखता है। उम्मीद है, मैं इस साल कम से कम कुछ और कदम आगे बढ़ पाऊंगा।₹

जोकोविच का अगला मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे या एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा।

न्यूज ब्रीफ

## योगी का हमला: रामभक्तों पर गोलियां चलवाने पर आस्था आहत नहीं हुई थी

**लखनऊ :** यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ की विश्वनाथगंज विधान सभा इलाकों में ?384 करोड़ से अधिक लागत की 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ.दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं।

कांग्रेस दावा करती थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी-जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आंसू बहाए थे, कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया, और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक है, वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए रखे गए पैसे को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं? यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फंसेगा।

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ₹प्रतापगढ़ आज से 9-10 वर्ष पहले पिछड़े जनपदों में गिना जाता था। लोग कहते थे कि प्रतापगढ़ में कुछ नहीं होगा, कनेक्टिविटी नहीं है, बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, सड़कें नहीं हैं, आवागमन के साधन नहीं है। यहां का आंवला दम तोड़ रहा था।

## मणिपुर में न्यायिक क्षमता बढ़ाने के लिए 2.66 करोड़ रुपए का बजट जारी, बनाए जाएंगे कोर्ट रूम

**इंफाल :** केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने मणिपुर में न्यायिक क्षमता को बढ़ाने के लिए 2.66 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए न्याय तक आसान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के तहत एसएनए-एसपीआरएसएच (एनएसए स्पर्श) के जरिए पैसे का आवंटन किया गया है। एसएनए-स्पर्श भारत सरकार की एक डिजिटल निधि प्रबंधन प्रणाली है, जो सीएसएस के फंड ट्रांसफर में पारदर्शिता लाती है। केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, ₹बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए 'न्याय पाना आसान' बनाना। न्याय विभाग ने राज्य की न्यायिक क्षमता को बढ़ाने के लिए सीएसएस के तहत एसएनए-एसपीआरएसएच के जरिए वित्त वर्ष 2025-26 में मणिपुर को 2.66 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। मंत्रालय की ओर से एक और पोस्ट में लिखा गया, ₹विवादों को तेजी से सुलझाने के लिए कोर्ट रूम बनेंगे। जिससे लोगों के लिए कानूनी व्यवस्था तक पहुंचना आसान होगा। मणिपुर में स्थायी शांति के लिए बातचीत और हिंसा रोकने के लिए किए जा रहे प्रयास को लेकर मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने 4 जुलाई को कहा था कि हिंसा रोकने और लोगों व चुने हुए प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश की गई है। उन्होंने दोहराया था कि संघर्ष से जूझ रहे राज्य में स्थायी शांति बहाल करने का एकमात्र तरीका बातचीत ही है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर भाजपा के पूर्व विधायक और अनुभवी आदिवासी नेता वुंगजागिन वाल्टे की अंतिम संस्कार में भाग लिया था। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार चुराचांदपुर में किया गया था। दिवंगत नेता के आवास पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा था कि मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है और राज्य के समग्र विकास के लिए स्थायी शांति आवश्यक है। मणिपुर में शांति बहाल करने के रोडमैप के बारे में जब मुख्यमंत्री से पूछा गया तो मुस्कुराते हुए सीएम ने कहा था, ₹आपकी मुस्कान शांति का रास्ता है। 3 मई 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद खेमचंद सिंह कुकी-जो आदिवासी बहुल चुराचांदपुर जिले का दौरा करने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बने।

## पश्चिम बंगाल में फुटबॉल को लेकर हुए झगड़े में 10वीं के छात्र की हत्या, तीन गिरफ्तार

**कोलकाता ।** पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में फुटबॉल मैच से जुड़े एक पुराने झगड़े के कारण 10वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान प्रोसेनजीत बिस्वास के तौर पर हुई है, जो बारुईपुर के फुलतला इलाके का रहने वाला था। परिवारवालों के मुताबिक, कुछ दिन पहले फुलतला के एक मैदान में फुटबॉल मैच को लेकर स्थानीय युवकों के एक ग्रुप के साथ उसकी तीखी बहस हुई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपी तभी से बदला लेने की योजना बना रहे थे। शुरूआती जांच के मुताबिक, तीनों आरोपियों ने कथित तौर पर सोमवार को प्रोसेनजीत और उसके एक दोस्त को पालपारा इलाके में बुलाया। बताया जा रहा है कि दोनों ग्रुप के बीच बहस हुई, जिसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर दोनों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमले के दौरान प्रोसेनजीत के सीने में गंभीर चोट आई। उसके दोस्त ने जब बीचबचाव करने की कोशिश की, तो उस पर भी हमला किया गया और वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

# चंदा चोरी के संगीन मामले में लीपापोती करने की बजाय ट्रस्ट को तत्काल भंग करना चाहिए : गहलोत

**नयी दिल्ली :** कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी तथा घोटाले के मामले अत्यंत गंभीर हैं और इसमें किसी तरह की लीपापोती करने की बजाय ट्रस्ट को तत्काल भंग करके नये ट्रस्ट का गठन किया जाना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में जमीन अधिग्रहण से लेकर चंदा चोरी तक के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साधु संतों को दरकिनार कर इस मंदिर का उद्घाटन किया और मंदिर निर्माण का पूरा श्रेय लिया लेकिन जब चंदा चोरी से जनता के साथ विश्वासघात हुआ और उनकी आस्था को ठेस पहुंची तो श्री मोदी ने मौन धारण कर लिया।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी का मुद्दा देश के गांव-गांव तक पहुंच गया है, सभी लोगों में इसे लेकर आक्रोश है। प्रभु श्री राम के अयोध्या स्थित मंदिर से करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं, जिसे भारतीय जनता पार्टी - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (भाजपा-आरएसएस) ने गहरा आघात पहुंचाया है। भाजपा-आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मिलकर एकतरफा तरीके से मंदिर ट्रस्ट बनाया लेकिन किसी की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई। बताया जा रहा है कि इन्हें चढ़ावा चोरी होने की जानकारी बहुत पहले से थी लेकिन इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और बातों को दबा दिया गया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ट्रस्ट में किसको रखना है यह निर्णय आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद ने ही लिया इसलिए उसके ही लोग इसमें भरे गये। उनका कहना था कि पहले पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय जिस ट्रस्ट की बात हुई थी उसको आधार बनाकर चलते तो शायद इतना बड़ा घोटाला नहीं होता और करोड़ों राम भक्तों की भावनाओं को इस तरह से आाघत नहीं पहुंचता।

उन्होंने कहा कि सबसे चिंता की बात यह है कि इस मामले में अब भी लीपापोती की जा रही है। चंदा चोरी को लेकर सोमवार को ट्रस्ट की बैठक हुई जिसमें चंपत राय सहित कुछ लोगों के इस्तीफे स्वीकार करने की बात कही गई है लेकिन बैठक में लिये गये निर्णयों को लेकर जो सूचनाएं दी गई उसमें चंदा चोरी की घटना की वजह लापरवाही बताई गई है। उन्होंने इसे आश्चर्यचकित करने वाला बयान बताया और कहा कि जब सब कुछ आरएसएस विश्व हिंदू परिषद के लोगों के हवाले है और समय रहते घोटाला होने की बात सामने आने की बात भी कही जा रही है तो लापरवाही कहां से हुई। उनका कहना था कि जिम्मेदारी तय की जानी आवश्यक है और दोषियों को दंड मिले इसके लिए पूरे प्रकरण की उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में मामले की व्यापक जांच हो।

### यूपी में तीन नए एक्सप्रेसवे की तैयारी तेज, भूमि अधिग्रहण शुरू

# पूर्व से पश्चिम तक मजबूत होगी सड़क कनेक्टिविटी

**लखनऊ :** उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीन नई महत्वाकांक्षी एक्सप्रेसवे परियोजनाओं का निर्माण शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे, विंध्य एक्सप्रेसवे और विंध्य-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

**प्रस्तावित भूमि का सत्यापन शीघ्र पूरा करने के निर्देश :** सरकार ने संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को प्रस्तावित भूमि का सत्यापन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिग्रहण की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके। इन परियोजनाओं के पूरा होने से उत्तर प्रदेश के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों के बीच आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा। साथ ही उद्योग, व्यापार, निवेश और धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

**मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे से मिलेगा गंगा एक्सप्रेसवे का सीधा संपर्क :** करीब 150 किलोमीटर लंबे मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे का निर्माण मेरठ, अमरोहा, बिजनौर और उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लगभग 185 गांवों से होकर किया जाएगा। परियोजना के लिए लगभग 2,000 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जानी है। यह एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच यात्रा का समय कम होगा और यातायात अधिक सुविधाजनक बनेगा।

**विंध्य एक्सप्रेसवे से चार जिलों को मिलेगा बड़ा लाभ :** करीब 330 किलोमीटर लंबे विंध्य एक्सप्रेसवे के जरिए प्रयागराज, भदोही, मीरजापुर और सोनभद्र जिले आपस में जुड़ेंगे। यह मार्ग लगभग 341 गांवों से होकर गुजरेगा, जिसके लिए करीब 4,600 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। प्रयागराज में इस एक्सप्रेसवे को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा, जिससे विंध्य क्षेत्र की सड़क कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी।

विंध्य-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल को मिलेगी नई रफ्तार

प्रस्तावित 130 किलोमीटर लंबे विंध्य-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का संपर्क गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से होगा। यह गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी और मीरजापुर के करीब 135 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके निर्माण के लिए लगभग 2,800 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

**भूमि अधिग्रहण की विस्तृत योजना भेज दी गई है :** स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि तीनों परियोजनाओं से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को भूमि अधिग्रहण की विस्तृत योजना भेज दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का सत्यापन जल्द पूरा कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित समय पर शुरू किया जा सके।

**एक्सप्रेसवे नेटवर्क होगा और विस्तृत :** सरकार का लक्ष्य भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होते ही इन तीनों एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू कराना है। इनके तैयार होने के बाद उत्तर प्रदेश का बड़ा भूभाग आधुनिक एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इसके अलावा राज्य में जेवर लिंक एक्सप्रेसवे समेत चार अन्य लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए भी भूमि अधिग्रहण जारी है, जिन पर भी जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

## जयपुर बाईपास पर तेज रफ्तार ट्रॉली ने एक परिवार को कुचला, तीन बच्चों की मौत

**जयपुर :** जयपुर के श्याम नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि हादसे में उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, अजमेर रोड बाईपास पर एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े इस परिवार को रौंद दिया। यह दुखद हादसा व्यस्त 200-फुट बाईपास (अजमेर रोड) पर होटल हाईवे किंग के पास हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, तेज रफ़्तार ट्रॉली का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा, सड़क किनारे लगी मेटल की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए ट्रॉली एक परिवार के पांच सदस्यों से टकराई और फिर रुकी। मृतक बच्चों की पहचान रमेश, रतन और दीपक के तौर पर हुई है। उनके माता-पिता, चंद्र प्रकाश और कैलाशी, गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से भाग गया। पुलिस ने तीनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया। चश्मदीदों ने बताया कि ट्रॉली तेज रफ्तार में थी, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और परिवार के सदस्यों को टक्कर मार दी।

बताया जा रहा है कि ट्रॉली ने सड़क किनारे लगे लोहे की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए परिवार को कुचल दिया।

इस घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस टीमों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोग पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे।

घटना की सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद श्याम नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि सड़क से क्षतिग्रस्त ट्रॉली को हटाने और ट्रैफिक बहाल करने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया।

पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रॉली का ड्राइवर भाग गया और उसे खोजने और गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की असल वजह की जांच कर रही है। गाड़ी पर नियंत्रण कैसे खोया, यह पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। इस घटना के कारण कुछ समय के लिए 200-फुट बाईपास पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया, हालांकि ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों ने जल्द ही स्थिति पर काबू पाया और इसके बाद सामान्य आवाजाही बहाल हो सकी।

# तुर्की पहुंचकर एदोर्गान को ऐसा क्या तोहफा देने जा रहे ट्रंप, नेतन्याहू बेचैन

**संवाददाता**

**नई दिल्लीः** कल तक जिसके एक इशारे पर अमेरिका हर सही गलत कर्म करने को तैयार रहता था। वो इसराइली वजीर-ए-आजम बेंजामिन नेतन्याहू इन दिनों बुरी तरीके से फंसते जा रहे हैं। मामला अब तुर्की के उस महासंकट तक जा पहुंचा है जहां इसराइल को अपनी हवाई बादशाहत खत्म होने का खौफ सता रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वाशिंगटन से तुर्की के अंकारा दौरे के लिए उड़ान भर रहे हैं। 7 जुलाई को वहां लैंड होते ही नेतन्याहू को जिस बात का सबसे गहरा डर था अगर ट्रंप वही करते हैं तो इससे कहीं ना कहीं इसराइल को बहुत बड़ा झटका लगेगा। यानी एदोर्गान से मिलते ही अगर ट्रंप ने वही कर दिया तो मिडिल ईस्ट में इसराइल की सल्तनत ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगा। दरअसल वाशिंगटन के गलियारों से तुर्की को ऋ35 स्टेल्थ फाइटर जेट दिए जाने के साफ संकेत आने लगे हैं। इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन पहले ही अमेरिकी कांग्रेस को नोटिफाई कर चुका है कि तुर्की को 700 मिलियन डॉलर यानी 70 करोड़ डॉलर के अत्याधुनिक जनरल इलेक्ट्रिक इंजन सौंपे जा रहे हैं।

तुर्की इन इंजनों का इस्तेमाल अपनी स्वदेशी पांचवी पीढ़ी के लड़ाकु विमान कान के लिए करने जा रहा है। इतना ही नहीं ट्रंप ने रवाना होने से पहले साफ तौर पर कहा कि वह एदोर्गान के लिए ऐसा कुछ करने जा रहे हैं जिससे तुर्की बेहद खुश होगा। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर तुर्की को ऋ35 प्रोग्राम में दोबारा एंट्री मिली तो आसमान में इसराइल की एयर सुपीरियरिटी यानी हवाई शिष्टता हमेशा हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। इसराइल को इस बात का खौफ है कि तुर्की के पास यह आधुनिक तकनीक आने के बाद पूरे क्षेत्र में रक्षा संतुलन बदल जाएगा। इसराइल के लिए झटका सिर्फ ट्रंप की तरफ से नहीं लगा है बल्कि वाशिंगटन की नई लीडरशिप के तेवर पूरी तरीके से बदल चुके हैं। हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसराइल को लेकर एक सख्त और तीखी बयानबाजी की। उन्होंने तेल अभी की नींद उड़ा दी। वेंस के बयानों ने साफ कर दिया कि अमेरिका बिना किसी शर्त के इसराइल की हर जंग की जवाबदेही उठाने को तैयार नहीं। अमेरिका के लिए अब नेशनल इंटरेस्ट सबसे ऊपर है। इधर नेतन्याहू और तुर्की के राष्ट्रपति रिचब तैयब एदोर्गान के दरमियान हाल के दिनों में जो जुबानी जंग देखने को मिली उसने आग में घी का काम किया।

एदोर्गान ने इसराइल को खुलेआम चेतावनी दी कि वह अपनी सरहदों पर ताकत की मनमानी बर्दाश्त तो नहीं करेंगे। वहीं नेतन्याहू ने खुलेआम ट्रंप से गुहार लगाई कि तुर्की को यह कहां तक हथियार ना दिया जाए। लेकिन अमेरिका ने इसराइल की इस गिड़गुड़ाहट को पूरी तरीके से दरकिनार किया है। यह पूरी तस्वीर गवाही दे रही है कि वैश्विक राजनीति अब बदल रही है। इसराइल का हुलिस्म टूट चुका है जिसके दम पर वह अमेरिका को अपनी उंगलियों पर नचाता था। तुर्की को जटिन और ऋ35 की संभावित सौगात देने का मन बनाकर ट्रंप ने यह साफ किया कि वाशिंगटन अब अंकारा को इसराइल की जिद की भेंट नहीं चढ़ाएगा। नेतन्याहू की कूटनीतिक शिकस्त इसराइल को भविष्य में क्या कोई बड़ा झटका देगी यह सवालिया निशान है। अब देखना है कि ट्रंप एदोर्गान से मुलाकात के बाद आखिरकार वो कौन सा गिफ्ट तुर्की को देते हैं जिससे एदोर्गान खुश हो जाएंगे।

## धमकियों के बीच वार्ता संभव नहीं, अमेरिका करे समझौते का सम्मान : विदेश मंत्री अराघची

तेहरान । मध्य-पूर्व एशिया में फिलहाल शांति है, लेकिन यूएस-ईरान के बीच हाल ही में हुआ समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फिर ईरान की ओर से दिए जा रहे जवाब माने जा रहे हैं। सोमवार को भी ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अबास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,₹लाखों गौरवान्वित ईरानी₹ सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹न तो ईरानी जनता और न ही हमारी बहादुर सशस्त्र सेनाएं किसी भी तरह की धमकियों से प्रभावित होंगी। अपने हस्ताक्षर का सम्मान करें।₹

अराघची की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ समझौता करेगा या फिर ₹काम तमाम करेगा₹।

ट्रंप के मुताबिक या तो डील होगी या ईरान का काम तमाम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक उन्हें ईरान के साथ फिर जंग नहीं चाहिए; वे सैन्य कार्रवाई नहीं चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ₹मैं तो ईरान के साथ डील करना चाहूंगा; मैं नहीं चाहता कि 91 मिलियन लोगों की जिंदगी प्रभावित हो। हम अगर चाहें तो एक घंटे में इनके ब्रिज उड़ा सकते हैं। हम इनकी एनर्जी सप्लाई ध्वस्त कर देंगे। इनके पास कभी बहुत पैसा होता था, लेकिन अब कुछ नहीं है। हमने इन्हें एक पैसा नहीं दिया है।

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कुछ सवालों के जवाब देते हुए अपनी राय रखी।

न्यूज IN ब्रीफ

## महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग कोल्हान प्रमंडल के उपनिदेशक खुशेंद्र सोनकेशरी को वरीय पत्रकार ने किया सम्मानित

**ज्योति पाठक :** अधिकारी के कर्तव्य निष्ठा और बेहतर कार्य प्रणाली उनकी कार्य दृढ़ता का परिचायक है ऐसे अधिकारी से विभाग और प्रमंडल दोनों गौरवान्वित होते हैं जी हाँ हम बात कर रहे हैं महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा कोल्हान प्रमंडल के उपनिदेशक खुशेंद्र सोनकेशरी की उनकी बेहतर और उत्कृष्ट कार्य प्रणाली का ही यह परिणाम है कि तीनों जिला में विभाग अधीन कार्यों का निष्पादन बेहतर ढंग से संपादित किया जा रहा है। श्री केसरी के प्रशासनिक दक्षता का ही यह परिणाम है कि मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना की राशि ससमय सुलभ तरीके से चयनित लाभुकों को मिल रहा है। इनके बेहतर कार्य को कोल्हान के पूर्व आयुक्त एवं महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव रह चुके मनोज कुमार एवं वर्तमान सचिव उमाशंकर सिंह भी उपनिदेशक के कार्यों को सराहा है और प्रमंडल में विभाग अधीन कार्यों को बेहतर माना है। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर विभाग, राज्य और प्रमंडल गौरवान्वित होते हैं। इनके कार्यों एवं उत्कृष्ट कार्य प्रणाली के फलस्वरूप वरीय पत्रकार विनय मिश्रा ने इन्हें सम्मानित किया।

## सदर अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन, 57 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

**रांची :** धीरूभाई अंबानी की पुण्यतिथि के अवसर पर रिलायंस जियो, संध्या टावर, रांची (हेड ऑफिस) के तत्वावधान में सदर अस्पताल, रांची के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रिलायंस जियो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। शिविर के दौरान कुल 57 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान देगा। रक्तदान शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा नियमित रक्तदान की भावना को बढ़ावा देना था। सदर अस्पताल की ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ रंजू सिन्हा एवं रक्तकोष टीम ने सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से रक्त संग्रह किया। सिविल सर्जन रांची डॉ प्रभात कुमार ने ने रिलायंस जियो के सभी रक्तदाताओं एवं आयोजन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक सरोकार से जुड़े प्रयास समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ अनेक जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं। डॉ रंजू सिन्हा ने भी आम नागरिकों से भी नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की, ताकि किसी भी मरीज को समय पर रक्त की कमी का सामना न करना पड़े।

## ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास

**मेदिनीनगर :** मेदिनीनगर के रेड़मा ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह जमुने निवासी विकास कुमार (25) ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। हादसे में उसके दोनों पैर कट गए। गंभीर हालत में उसका इलाज मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पत्नी से विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## रेलवे का सिग्नल केबल चोरी में दो गिरफ्तार

**धनबाद :** आरपीएफ ने सोमवार को रेलवे का सिग्नल केबल चुराने वाले दो लड़कों को दबोचा। दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। केबल चोरी के कारण चार जुलाई को कतरासगढ़ स्टेशन का प्वाइंट्स संख्या 399 फेल हो गया था। सिग्नल विभाग के जूनियर इंजीनियर राजकुमार बाग ने घटना की सूचना आरपीएफ को दी थी। आरपीएफ की सक्रियता से केबल चोरी करने वाले कतरास के लकड़का चार नंबर निवासी अजय पासी उर्फ टेकला पासी और सोमार भुइयां पकड़े गए। उनकी निशानदेही पर चुराए केबल भी बरामद कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि बेरोजगार होने के कारण पैसा कमाने के लिए रेलवे ट्रैक के केबल को चोरी कर लेते हैं और उसे राह चलते कबाड़ वाले को बेचकर पैसा कमाते हैं।

## अस्पताल की सड़क तालाब में तब्दील

**धनबाद :** धनबाद मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में अधूरे मेन गेट निर्माण, अधिकारियों की लापरवाही और विभागों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। बारिश ने क्षतिग्रस्त मुख्य सड़क छोटे-छोटे तालाबों में बदल दी है, जिससे अस्पताल पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। एंबुलेंस हिचकोले खाते हुए मरीजों को अस्पताल ला रही हैं। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, बाइक सवार और पैदल चलने वाले हर कदम पर फिसलन और दुर्घटना के खतरे से जूझ रहे हैं। वहीं जिम्मेदार एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में लगे हैं।

## उत्कृष्ट मॉडल का होगा चयन

**धनबाद :** एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) नई दिल्ली की ओर से राष्ट्रीय स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिलास्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। जिलों से सर्वश्रेष्ठ मॉडल व नवाचारों का चयन कर रिपोर्ट मांगी गई है।

# बारिश ने बदला हिरणी जलप्रपात का रंग, गर्जना के साथ छलका प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य

### उफनती धाराओं ने बढ़ाया रोमांच, सुरक्षा के मद्देनजर झरने के निकट जाने पर रोक

संवाददाता

**बंदगांव :** लगातार हो रही मानसूनी बारिश ने पश्चिमी सिंहभूम जिले की टेबो घाटी स्थित प्रसिद्ध हिरणी जलप्रपात को एक बार फिर अपने रौद्र और मनमोहक स्वरूप में ला खड़ा किया है। शनिवार रात से हुई मूसलधार बारिश के बाद सोमवार को जलप्रपात पूरी क्षमता से बहता नजर आया। करीब 120 फीट की ऊंचाई से तेज गर्जना के साथ गिरती जलधारा ने पूरे क्षेत्र को प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर कर दिया।

बारिश के कारण आसपास की पहाड़ी नदियां और जलस्त्रोत पूरी तरह भर चुके हैं, जिससे जलप्रपात का जलप्रवाह कई गुना बढ़ गया है। घने साल जंगलों के बीच सफेद फेनिल जलधारा का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। झारखंड ही नहीं, पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक इस अनोखे नजारे को देखने पहुंच रहे हैं। कई सैलानी झरने के सुरक्षित स्थानों से तस्वीरें और वीडियो बनाकर इस मानसूनी सौंदर्य को अपने कैमरों में कैद करते दिखाई दिए।

हालांकि जलप्रवाह अत्यधिक तेज होने के कारण प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए पर्यटकों के झरने के बिल्कुल निकट जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने तथा पर्यटकों को निर्धारित सुरक्षा घेरे के भीतर ही रहने की सलाह देने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें, लेकिन रोमांच के चक्कर में सुरक्षा नियमों की अनदेखी न करें। बारिश का दौर जारी रहने के कारण जलप्रपात का जलस्तर और बढ़ सकता है, इसलिए सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है।

## हृदयानंद मिश्र का जन्मदिन हर्षोल्लास से मना

संवाददाता

**मेदिनीनगर :** झारखंड सरकार के हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य, वरिष्ठ अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनचिंतक हृदयानंद मिश्र के जन्मदिवस पर राजनीतिक, न्यायिक, सामाजिक, पत्रकारिता, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने शुभकामना संदेश प्रेषित कर उनके स्वस्थ, दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। पूरे दिन दूरभाष, सोशल मीडिया तथा व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

शुभकामना प्रेषित करने वालों में झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री , , झारखंड स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ला, राष्ट्रीय नवीन मेल के संरक्षक एवं प्रधान संपादक सुरेश बजाज, राष्ट्रीय नवीन मेल के संपादक राणा अरुण सिंह, लोकमंत्र के संपादक ओमप्रकाश अमरेंद्र, राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेता एवं नाटककार , हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड, झारखंड सरकार के सदस्य के. शंकर पाठक, झारखंड राज्य हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष , झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्य एवं झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अनादिब्रह्म, उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ए. के. अमर, वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर कुमार सिन्हा, पलामू जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बलराम तिवारी, न्यूज 11 के मुख्य संवाददाता बिपिन उपाध्याय, उत्कल मेल के समाचार संपादक सौम्य मिश्रा समीर सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

अपने संदेशों में वक्ताओं ने कहा कि हृदयानंद मिश्र ने अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और जनबुद्धिजीवी के रूप में समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक परंपराओं, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर सदैव निर्भीकता और तथ्यपरकता के साथ अपनी बात रखी है। उनकी लेखनी, सामाजिक सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें व्यापक सम्मान दिलाया है।

शुभकामना संदेशों में यह भी कहा गया कि हृदयानंद मिश्र का सार्वजनिक जीवन समाज के प्रति उत्तरदायित्व, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण की भावना का उदाहरण है। उन्होंने विधि, पत्रकारिता और सामाजिक सेवा को जनहित का सशक्त माध्यम बनाया है। विशेष रूप से वंचित, पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनजागरण में उनकी सक्रिय भूमिका अनुकरणीय रही है।

सभी शुभचिंतकों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि हृदयानंद मिश्र स्वस्थ, दीघार्यु एवं ऊर्जावान रहें तथा आने वाले वर्षों में भी न्याय, समाज, लोकतंत्र और राष्ट्रहित के लिए इसी समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करते रहें।

## समाहरणालय संवर्ग कर्मियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया

मेट्रोरेज संवाददाता

**मेदिनीनगर :** कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग झारखंड रांची के अधिसूचना संख्या 4373 दिनांक 6- 7 - 2006 के द्वारा झारखंड राज्य समाहरनालय संवर्ग का पदनाम परिवर्तन संबंधी अधिसूचना जारी कर दिया गया जिसमें निम्नवर्गीय लिपिक का पदनाम सहायक उच्च वर्गीय लिपिक का पदनाम वरीय सहायक प्रधान लिपिक का पदनाम सहायक प्रशासी पदाधिकारी कार्यालय अधीक्षक का पद नाम प्रशासी पदाधिकारी ग्रेड 2 और प्रशासी पदाधिकारी का पदनाम प्रशासी पदाधिकारी ग्रेड वन कर दिए जाने के उपलक्ष में पलामू जिला समाहरणालय संवर्ग के कर्मियों द्वारा समाहरणालय के समक्ष उपस्थित होकर झारखंड सरकार के माननीय मुख्यमंत्री आदरणीय मुख्य सचिव एवं आदरणीय कार्मिक सचिव महोदय का दिल से आभार व्यक्त किया गया एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए खुशी जाहिर की गई मौके पर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिलाध्यक्ष रंजय कुमार सिंह के साथ-साथ वरीय उपाध्यक्ष अमरेश कुमार सिंह जिला सचिव संजय प्रसाद संघ के संरक्षक मोहम्मद शकील सुशील कुमार तिवारी घनश्याम दुबे आशुतोष पांडे विकेश कुमार मृत्युंजय सिंह आनंद कुमार मनोरंजन कुमार रविंद्र यादव राहुल कुमार राम लखन राम सुनील कुमार रजक वीरेंद्र पासवान सहित काफी संख्या में अनुसचिवीयकर्मी उपस्थित हुए।

## अनुशासन तोड़ने वाले कांग्रेस नेता पर कार्रवाई की मांग

धनबाद : धनबाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल वरीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण तिवारी के नेतृत्व में रांची में झारखंड प्रभारी के राजू से मिला। मौके पर अनुशासनहीनता करने वाले नेताओं पर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस की सह प्रभारी बेला प्रसाद, भूपेंद्र मरावी व झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से भी मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जिले में पार्टी विरोधी गतिविधियों एवं लगातार अनुशासनहीनता में संलिप्त नेताओं के विरुद्ध संगठनात्मक कार्रवाई कर उन्हें पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कुछ नेताओं की गतिविधियों से संगठन की छवि धूमिल हो रही है तथा कार्यकताओं के बीच भ्रम और असंतोष की स्थिति है।

ऐसे में संगठन की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए दोषी नेताओं पर शीघ्र व कठोर कार्रवाई जरूरी है। प्रदेश नेतृत्व ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव, मंटू दास, कालीचरण यादव, अछयवर प्रसाद, गोपाल कृष्ण चौधरी सहित अन्य नेता शामिल थे।

## राजस्थान काम करने गए युवक की संदिग्ध मौत

### मृतक के परिजनों ने दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के परामातु गांव से राजस्थान काम करने गए सात युवकों की टोली से एक महेंद्र गंझू की संदिग्ध मौत से बौखलाये परिजनो ने आज लावालौंग में शव के साथ सड़क जाम कर दी और आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। सड़क जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे लावालौंग के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी बिपिन भारती और थाना प्रभारी चंदन कुमार के 50 हजार रु के मुआवजा की घोषणा के आश्वासन के बाद सड़क जाम हटाया गया। घटना की जानकारी देते हुए परिजनो ने बताया कि गांव से सात लोग राजस्थान काम करने गए थे। वहीं खाना बनाने के दौरान आपसी झगड़े में मित्रों ने महेंद्र गंझू की गर्म डेगची की पानी उड़ेलकर कर हत्या कर दी। वहीं आरोपी ने बताया कि खाना बनाने के दौरान मृतक नशे में धुत था। इसी

क्रम में डेगची में रखें पानी से झुलस गया। झुलस जाने के बाद सभी लोगों ने उसका इलाज करवाया और लावालौंग लौट आए। आरोपी ने कहा कि मृतक के परिजन हत्या का झूठा आरोप लगा रहे हैं। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी बिपिन भारती ने बताया कि जिला श्रम विभाग के अधिकारियों से बातचीत की गई है। मृतक के परिजनों को श्रम विभाग की ओर से 50 हजार की राशी दी जाएगी। कहा कि प्राथमिकी को लेकर थाना प्रभारी से भी बात हुई है। आवेदन के बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

## समाजसेवी ध्रुव शंकर दुबे का निधन, पलामू में शोक की लहर

मेट्रोरेज संवाददाता

**मेदिनीनगर :** पलामू प्रमंडल ने एक ऐसी शख्सियत को खो दिया जिसने समाज सेवा और औद्योगिक क्षेत्र, दोनों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। डालमियानगर सीमेंट फैक्ट्री के पूर्व प्रोडक्शन मैनेजर एवं विख्यात समाजसेवी श्री ध्रुव शंकर दुबे जी का 5 जुलाई 2026 को 88 वर्ष की आयु में डाल्टेनगंज में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से समूचे पलामू प्रमंडल में शोक की लहर दौड़ गई है।

उनके सुपुत्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता शशि भूषण दुबे ने बताया कि पिताजी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ गया था। उन्हें तत्काल आशी लाइफ केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, परंतु तमाम प्रयासों के बावजूद चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके। उनका अंतिम संस्कार डाल्टेनगंज चांद घाट पर किया गया। उनके बड़े पुत्र शशि भूषण दुबे जी ने मुखाग्नि दी। इसके पश्चात त्रिपाठी कॉलोनी से पूरे सम्मान के साथ अन्य कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

श्री दुबे का जीवन सेवा, सादगी और समर्पण का प्रतीक था। वे न केवल एक कुशल प्रबंधक थे, बल्कि जरूरतमंदों के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले सच्चे समाजसेवी भी थे। रिश्तों में भी वे उतने ही आदरणीय थे- वे पूर्व विधायक एवं हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय सच्चिदानंद त्रिपाठी के बड़े दामाद थे।

उनके निधन पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव यादव, महासचिव अजय पांडे, अधिवक्ता रुचि तिवारी, नगर निगम के महापौर अरुणा शंकर उप महापौर मनोज सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह, पलामू जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बलराम तिवारी राजेंद्र तिवारी कमलेश दुबे सिकंदर दुबे राजेश दुबे, महेंद्र तिवारी, रामप्रवेश रजक समेत सैकड़ों अधिवक्ताओं, समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों ने गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। सभी ने उन्हें एक कर्मठ, विनम्र और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में याद किया।

श्री दुबे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रों सहित भरा-पूरा संस्कारी परिवार छोड़ गए हैं। उनका जीवन हम सभी के लिए निस्वार्थ सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहेगा। उनके दोनों पुत्र शशि भूषण दुबे और छोटे पुत्र रवि भूषण दुबे अधिवक्ता हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि गढ़वा जिला के मझिआंव थाना अंतर्गत आछोडीह गांव के वैष्णो मंदिर के संस्थापक भी संस्थापक सदस्य भी रहे थे। उल्लेखनीय है कि वे मूलतः बिहार राज्य के रोहतास जिला के नौहट्टा गांव के निवासी थे। जपला सीमेंट फैक्ट्री कामगार यूनियन के महासचिव के पद पर भी काम किए थे।